सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 315 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 28 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर की पहली महिला विधायक रजनी ताई उपासने का 93 वर्ष की उम्र में निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति के लिए आज का दिन बेहद दुखद रहा। रायपुर शहर की पहली महिला विधायक रजनी ताई उपासने का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थीं। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक और सामाजिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

1977 में बना था ऐतिहासिक रिकॉर्ड

रजनी ताई उपासने ने 1977 के विधानसभा चुनाव में जनता पार्टी की ओर से रायपुर सीट से जीत हासिल की थी। इस चुनाव में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी शारदा चरण तिवारी को हराकर इतिहास रचा था। इसी के साथ वे रायपुर शहर से चुनकर आने वाली पहली महिला विधायक बनीं।

राजनीति से पहले भी रही सक्रिय

सियासत में औपचारिक प्रवेश से पहले रजनी ताई जनसंघ की सक्रिय कार्यकर्ता रहीं। वे कई आंदोलनों से जुड़ी रहीं और अपने संघर्ष व समर्पण से उन्होंने राजनीतिक जगत में पहचान बनाई।

रायपुर को अब तक मिलीं सिर्फ वही महिला विधायक

रायपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकतांत्रिक इतिहास में आज तक किसी अन्य महिला को विधायक बनने का अवसर नहीं मिला। रजनी ताई उपासने ही अब तक रायपुर शहर की इकलौती महिला विधायक रही हैं। उन्होंने 46 वर्ष की उम्र में विधानसभा पहुंचकर नई मिसाल कायम की थी।

सादगी और समर्पण की मिसाल

रजनी ताई का राजनीतिक जीवन हमेशा सादगी और सेवा की भावना से जुड़ा रहा। जनता के बीच वे एक सहज और मिलनसार नेता के रूप में जानी जाती थीं। उनके निधन से छत्तीसगढ़ ने एक सादगीपूर्ण और समर्पित नेता को खो दिया है।

सियोल में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ATCA प्रतिनिधिमंडल की महत्वपूर्ण भेंट

छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर हुई चर्चा

- छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-30 के अंतर्गत ICCK के साथ होगा ज्ञान व निवेश सहयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर एसोसिएशन (ATCA) के चेयरमैन ली जे जेंग एवं वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। ATCA एक सशक्त औद्योगिक नेटवर्क है, जिसमें आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल क्षेत्र की 60 से अधिक प्रमुख कंपनियाँ शामिल हैं। मुख्यमंत्री साय ने ATCA प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने श्री ली जे जेंग और उनके साथ आए वरिष्ठ अधिकारियों को आमंत्रित किया कि वे अपने आगामी भारत दौरे के दौरान छत्तीसगढ़ अवश्य आएँ और राज्य में उपलब्ध निवेश व सहयोग की संभावनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करें।

ATCA ने छत्तीसगढ़ की कंपनियों के साथ बी2बी साझेदारी में रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी और एम्स जैसे राष्ट्रीय संस्थान मौजूद हैं, जो विश्वस्तरीय प्रतिभा उपलब्ध कराते हैं। राज्य का 'प्लग एंड प्ले' इंफ्रास्ट्रक्चर और सशक्त लॉजिस्टिक्स नेटवर्क छत्तीसगढ़ को ATCA के अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और भारत में उनके विस्तार का स्वाभाविक हब बनाता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित हो रहा है और यहाँ उद्योग-अनुकूल नीतियाँ, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, कुशल मानव संसाधन तथा मज़बूत बुनियादी ढाँचा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे उभरते क्षेत्रों में ATCA कंपनियाँ यहाँ आकर निवेश करें और साझेदारी के नए आयाम स्थापित करें। इससे प्रदेश के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोज़गार मिलेगा और स्थानीय उद्योगों को भी नई ताक़त मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में आयोजित छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका आयोजन इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स इन कोरिया (ICCK) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिए असीम संभावनाओं की धरती है। उन्होंने उल्लेख किया कि दक्षिण कोरिया भारत के शीर्ष तीन इस्पात निर्यात गंतव्यों में शामिल है और छत्तीसगढ़, देश का अग्रणी इस्पात उत्पादक राज्य होने के नाते, इस सहयोग को और गहरा करने तथा निवेश के नए अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से समृद्ध है, जो ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। राज्य में प्रचुर मात्रा में लिथियम उपलब्ध है, जो ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) क्रांति और नई पीढ़ी के उद्योगों को गति देने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वैश्विक ऊर्जा संक्रमण का स्वाभाविक केंद्र बन सकता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने ICCK को नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल करने की घोषणा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-30 के तहत तकनीक, स्किलिंग और वैश्विक सहयोग को एक नई दिशा दी जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कोरिया की नवाचार क्षमता और छत्तीसगढ़ के संसाधनों के मिलन से विकास का एक नया युग लिखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रत्येक निवेशक को 'सिंगल विंडो क्लियरेंस' से लेकर भूमि आवंटन, आवश्यक अनुमतियों और सहयोगी नीतियों तक हर स्तर पर सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दक्षिण कोरिया कंपनियों की भागीदारी से छत्तीसगढ़ के औद्योगिक परिदृश्य में नए अवसरों का सृजन होगा और दक्षिण कोरिया-भारत औद्योगिक सहयोग को एक नई ऊँचाई मिलेगी।

सड़क के बीच गड्ढा दे रहा दुर्घटना को दावत, जिम्मेदार मौन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर-रामानुजगंज। बलरामपुर-रामानुजगंज लूरगी रामचंद्रपुर सनवाल मुख्य मार्ग पर ग्राम चिनिया में सड़क के बीचों-बीच एक माह से जानलेवा गड्ढा हो गया है, जो हर एक पल दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है। तत्काल यदि इस गड्ढे को भरवाने में लोक निर्माण विभाग रुचि नहीं लेता है तो बड़ी दुर्घटना कभी भी घट सकती है। सबसे अधिक इस गड्ढे से खतरा रात के समय है।

विदित हो कि लूरगी रामचंद्रपुर सनवाल मुख्य मार्ग का निर्माण करीब 10 वर्ष पहले कराया गया था। जिसके बाद कुछ वर्षों से सड़क की स्थिति जर्जर होने लगी तो विभाग के द्वारा जर्जर सड़क का मरम्मत कराया गया। वहीं सड़क की अभी भी कई स्थानों स्थिति खराब हो रही है। बीते एक माह से सड़क के बीचों-बीच गड्ढा हो गया है। इसके चपेट में आने से कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। वहीं, हर एक पल दुर्घटना की संभावना बनी रह रहती है।

लोक निर्माण विभाग को गड्ढे को तत्काल भरवाए जाने की आवश्यकता है। विभाग की एक दिन की देरी घातक सिद्ध हो सकती है। ग्राम चिनिया की सरपंच कलावती सिंह ने कहा कि एक माह से गड्ढा हो गया है। लोक निर्माण विभाग को सूचना दी गई। लेकिन उसके बाद भी गड्ढा नहीं भरा जा सका है। उन्होंने कहा कि गड्ढे से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आना-जाना होता है।

सनवाल रामचंद्रपुर क्षेत्र के लोगो के लिए यही मुख्य मार्ग है जिससे वह रामानुजगंज आते हैं। जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री मनोज दुबे ने लोक निर्माण विभाग से तत्काल गड्ढे को भरवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मांग से बड़ी संख्या में लोग आना-जाना करते हैं उनके लिए यह गड्ढा खतरनाक साबित कभी भी हो सकता है।

मौसम विभाग की चेतावनी, छत्तीसगढ़ में दो दिन भारी बारिश के आसार, तापमान में उतार-चढ़ाव जारी

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय निम्न दबाव क्षेत्र और ओडिशा तट पर बने सिस्टम के असर से छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटे तेज बारिश का दौर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि राज्य के दक्षिण और मध्य हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार गुरुवार को प्रदेश के कई जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की स्थिति बनेगी। एक-दो स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश का भी पूर्वानुमान है। सबसे ज्यादा असर मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में होने की संभावना जताई गई है।

बिलासपुर में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और राजनांदगांव में न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री दर्ज किया गया।

दिल्ली में बाढ़ की चेतावनी, खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के कारण राजधानी में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जिसके चलते प्रशासन ने बाढ़ की चेतावनी जारी की है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया है। यमुना का जलस्तर 205.41 मीटर पर पहुंच गया है। 2-3 दिन में यमुना का जलस्तर और बढ़ सकता है।

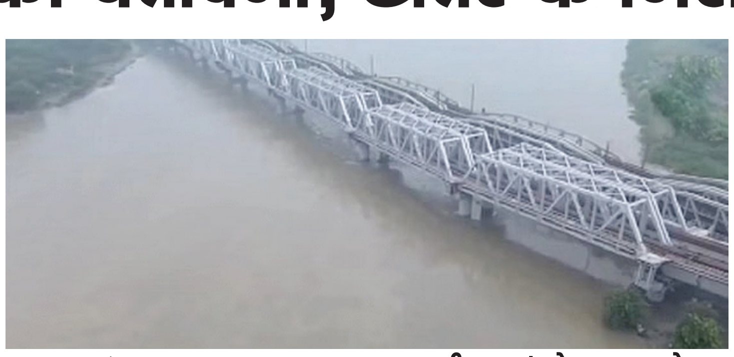

इससे पहले बुधवार रात 8 बजे पुराने रेलवे ब्रिज पर जलस्तर 205.35 मीटर दर्ज किया गया जो खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक, हथिनीकुंड बैराज से करीब 41 हजार क्यूसेक पानी हर घंटे छोड़ा जा रहा है लेकिन दिल्ली में वजीराबाद बैराज से हर घंटे करीब 56 हजार क्यूसेक और ओखला से करीब 46 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं, पल्ला क्षेत्र में टेंट और राहत सामग्री लगा दी गई है। सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण, राजस्व, स्वास्थ्य, दिल्ली पुलिस समेत सभी विभाग अलर्ट पर हैं।

206 मीटर पहुंचने पर शुरू होगा बचाव कार्य

बाढ़ नियंत्रण के लिए राजस्व विभाग की ओर से नोडल अधिकारी प्रीत विहार एसडीएम संदीप यादव ने कहा कि यमुना का जलस्तर 206 मीटर पहुंचने पर राहत और बचाव कार्य शुरू होंगे। दिल्ली बोट क्लब में 40 बोट और गोताखोरों की टीम तैयार है। निचले इलाकों जैसे यमुना बाजार, आईटीओ और कश्मीरी गेट में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पिछले साल की बाढ़ से सबक लेते हुए प्रशासन ने बचाव दल और राहत सामग्री जुटाई है।

भारी बारिश और भूस्खलन से तबाही

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश-भूस्खलन से हुई तबाही से दुश्वारियां बढ़ गई हैं। राज्य में सैकड़ों सड़कें, बिजली ट्रांसफार्मर व जल आपूर्ति योजनाएं ठप हैं। कई इलाकों में मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं भी बाधित हैं।जारी बारिश के बीच मानसून सीजन के दौरान अभी तक कुल 2623 करोड़ का नुकसान हो चुका है। इस मानसून सीजन में 20 जून से 27 अगस्त तक 310 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, जबकि 369 लोग घायल हुए हैं। 38 लोग अभी लापता हैं। 158 लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई है। इस सीजन बादल फटने की 42 एवं भूस्खलन की 82 घटनाओं में अब तक 2719 कच्चे-पक्के घरों, 481 दुकानों को क्षति हुई है। 3192 गोशालाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं।

नदी किनारे न जाने की अपील

प्रशासन ने निवासियों से नदी किनारे न जाने और केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से अपडेट लेने की अपील की है। मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी दी है लेकिन यमुना के जलस्तर में गिरावट की उम्मीद से राहत है।

सिर्फ राजनीति नहीं है छात्रसंघ चुनाव

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव को लेकर कुहासा अब भी छाया हुआ है। 2017 में तत्कालीन डॉ रमन सिंह सरकार ने इसपर प्रतिबंध लगा दिया था जिसे उसके बाद की भूपेश बघेल सरकार ने भी जारी रखा। अब विश्वविद्यालय ने इसे शैक्षणिक कैलेण्डर से ही दफा कर दिया है। उच्च शिक्षा विभाग का कहना है कि सेमेस्टर सिस्टम लागू होने के कारण अब छात्रसंघ चुनाव या पदाधिकारियों का मनोनयन दोनों ही अप्रासंगिक हो चुके हैं। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफइंडिया चाहते हैं कि छात्रसंघ चुनाव दोबारा शुरू हों। देश में छात्र संघों को लोकतंत्र की पहली सीढ़ी माना जाता रहा है। असंख्य राजनेता इसी पृष्ठभूमि से आते हैं। छात्रसंघों का राजनीतिक दलों के प्रति स्पष्ट झुकाव भी दिखाई देता है। महाविद्यालय पहुंचते समय या फिर एक साल के भीतर विद्यार्थी वयस्कता को प्राप्त कर लेते हैं। उन्हें मतदान का अधिकार भी मिल जाता है। इसलिए उनमें राजनीतिक चेतना जगाने, राष्ट्रीय मुद्दों पर बहस करने की क्षमता विकसित करने के लिए छात्रसंघ एक रचनात्मक मंच जैसा है। पर छात्रसंघों का मौलिक प्रयोजन कुछ और ही था। वास्तव में वयस्क जीवन में लोगों में संगठन क्षमता विकसित करने, उन्हें अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान करने के साथ ही उनके व्यक्तित्व का विकास करने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन्हीं उद्देश्यों के साथ 19वीं शताब्दी के आरंभ में इंग्लैंड के कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों में छात्र संघों का गठन प्रारंभ हुआ। तब ये सामाजिक समितियाँ थीं। 1860 के दशक की शुरुआत में यूरोप में प्रतिनिधि छात्र संगठनों का उदय हुआ। उन्होंने छात्र वाद-विवाद को संभव बनाया और अपने सदस्यों के हितों का प्रतिनिधित्व करना शुरू किया। विश्वविद्यालयीन समारोहों, सम्मेलनों और एक अंतर्राष्ट्रीय महासंघ ने यूरोपीय स्तर पर आदान-प्रदान को संभव बनाया। ब्रिटेन में पहला छात्र संघ 1884 में एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में गठित छात्र प्रतिनिधि परिषद था। भारत प्रो-डेमोक्रेटिक रहा है। पिछली सरकारों ने विद्यार्थियों में राजनीतिक चेतना जागृत करने के लिए और भी उपाय किये। इनमें छात्र संसद शामिल है जो छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और संसदीय कामकाज का अनुभव देता है। इसके तहत राष्ट्रीय युवा संसद योजना और भारतीय छात्र संसद जैसे कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इनका उद्देश्य छात्रों में नागरिक शिक्षा, नेतृत्व कौशल और राष्ट्रीय मुद्दों पर जागरूकता को बढ़ावा देना है। ये संगठन छात्रों को सार्वजनिक बोलने का कौशल विकसित करने, अपने विचारों को व्यक्त करने और भारत के भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। फिर एकाएक क्या हुआ कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति और सेमेस्टर पद्धति का हवाला देकर इसका पटाक्षेप करने की नौबत आ गई। दरअसल, नई सोच लोगों के संगठित होने के खिलाफ है। श्रमिक संगठनों को बेअसर करने के बाद अब छात्र ही शेष बचे थे जहां से संगठित विरोध की आशंका थी। इसे भी खत्म करने का अर्थ राजसत्ता को फ्री-हैण्ड देना भी है। क्या यह स्वस्थ लोकतंत्र के अनुकूल है?

संपादकीय

अर्थव्यवस्था के लिए सहनशक्ति की अग्निपरीक्षा

रूसी कच्चा तेल खरीदने पर सबक सिखाने के मकसद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा थोपे गए पचास फीसदी टैरिफ कल से लागू हो गए। निस्संदेह, यह भारतीय आर्थिकी की सहनशक्ति हेतु अग्निपरीक्षा है। एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते भारत को अपनी संप्रभुता की रक्षा का अधिकार है। हमने दबाव में आए बिना चुनौती का मुकाबला किया है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया का उद्घोष किया है। सरकार ने फ्री ट्रेड के नाम पर भारतीय बाजार में खाद्यान्न व दुग्ध उत्पाद खपाने के अमेरिकी मंसूबों पर पानी फेरा है। भारत ने स्पष्ट किया है कि भारत किसानों, दुग्ध उत्पादकों और लघु उद्योगों के हितों से किसी तरह का समझौता नहीं करेगा। इसके बावजूद आशंका है कि नये टैरिफ लगाने का कपड़ा, चमड़ा व रत्न-आभूषण जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा। जिसके चलते लाखों भारतीयों के रोजगार पर खतरा मंडरा सकता है। निस्संदेह, पचास फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय उत्पादों की लागत में काफी वृद्धि हो जाएगी, जिसके चलते वहां उपभोक्ता अन्य देशों के सस्ते उत्पाद तलाश सकते हैं। दरअसल, इन टैरिफों से भारत की दोहरी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका न केवल भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, बल्कि ऐसा साझेदार था, जिसके कारोबार का करीब 45 अरब डॉलर का अधिशेष भारत के पक्ष में था। वहीं दूसरे बड़े व्यापार साझेदार रूस व चीन के साथ हम व्यापार घाटे की स्थिति में हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से सस्ता तेल आयात कर भारत द्वारा अर्जित मौद्रिक लाभ को अमेरिका निशाने पर ले रहा है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में भारत सरकार की तात्कालिक प्राथमिकताएं कपड़ा, चमड़ा और रत्न-आभूषण के लिये निर्यात खपाने वाले वैकल्पिक बाजारों की तलाश करना होना चाहिए। इसके अलावा प्रभावित व्यावसायों को वित्तीय सहायता प्रदान करके लाखों नौकरियों को बचाने की जरूरत है। साथ ही अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को पटरी पर लाने का प्रयास हो।

दरअसल, भारतीय चिंता यह है कि नये टैरिफ से अमेरिका के साथ होने वाला 66 फीसदी निर्यात प्रभावित होने जा रहा है। ऐसी स्थिति में जब अमेरिका को होने वाले बीस फीसदी भारतीय निर्यात पर टैरिफ प्रभाव दिख रहा है,तो इसका असर भारतीय अर्थव्यस्था पर होना लाजिमी है। निर्यात में कमी आने से देश में बेरोजगारी बढ़ सकती है। चिंता की बात यह है कि टैरिफ से अधिक प्रभावित होने क्षेत्र सघन श्रम वाले हैं, जिससे लाखों रोजगारों पर असुरक्षा की तलवार लटक सकती है। स्थिति साफ है कि भारतीय उद्योग इस टैरिफ के बोझ को सहन करने की क्षमता नहीं रखते। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टैरिफ युद्ध से यूरोप समेत दूसरे देश भी खासे प्रभावित हैं। उत्पादों का अतिरेक पैदा होने से कीमतों में गिरावट आ सकती है और अन्य देश भी टैरिफ लगाने को बाध्य हो सकते हैं। वहीं चीन आदि सस्ते उत्पाद बेचने वाले देशों से हमारी स्पर्धा बढ़ सकती है। वहीं टैरिफ वॉर तथा रूस-यूक्रेन युद्ध व मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से वैश्विक आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत में नये निवेश की संभावनाएं भी कम होंगी। जो भारतीय आर्थिकी की मुश्किल बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। हालांकि, प्रधानमंत्री सुधार, प्रदर्शन और बदलाव बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं, लेकिन भारत में बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों की जरूरत है। हालांकि,मोदी सरकार ने जीएसटी सुधारों की बात की है, लेकिन इससे आगे बढ़कर बड़े व तत्काल सुधारों की जरूरत है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों को आर्थिक सुधारों से ही गति मिल सकती है। जो उद्योग टैरिफ से प्रभावित हो रहे हैं उन्हें तुरंत आर्थिक मदद की जरूरत है। खास कर एमएसएमई क्षेत्र को न्यूनतम दरों पर ऋण उपलब्ध कराने की जरूरत है। निर्यातकों को तुरंत मिलने वाली आर्थिक सहायता व करों में छूट मददगार हो सकती है। हम चीन की तरह सस्ते उत्पाद बनाकर टैरिफ युद्ध को निष्प्रभावी बना सकते हैं। आर्थिक सुधारों से हम निर्यात की कीमतों व गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। निर्यात करने वाले एमएसएमई को सस्ता कर्ज देने के लिये फंड बढ़ाने की भी जरूरत है।

जनहित की शानदार पहल ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर सख्त कानून

दीपक कुमार त्यागी

देश में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मैट्रो रेल स्टेशन, एयरपोर्ट, हाइवे, सड़क, हवाई जहाज, रेल, मैट्रो रेल, बस आदि में पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं जैसी टैग लाइन के साथ भ्रमित करने वाले ऑनलाइन गेमिंग ऐप का प्रचार चर्चित चहरों के साथ बड़े पैमाने पर होता नजर आता है। इन चर्चित चेहरों के प्रमोशन करने के चलते देश में करोड़ों लोग ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही सट्टेबाजी, ठगी व साइबर फ्राड आदि का शिकार होकर के अपने जीवन भर की कमाई गंवाकर मानसिक तनाव में आकर के अनमोल जीवन तक को समाप्त करने का कार्य कर रहे थे, लेकिन मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की नकेल कसने का कार्य शुरू कर दिया है। हालांकि ऑनलाइन गेम की मुख्य रूप से दो कैटेगरी मानी जाती है, पहली कैटेगरी में ई-स्पोर्ट्स जिसमें गेम खेलने के लिए किसी भी प्रकार से पैसों का आदान-प्रदान नहीं किया जाता है व दूसरी कैटेगरी में रियल मनी गेम्स में पैसों का लेन-देन होता है, दूसरी कैटेगरी पर ही मोदी सरकार ने अंकुश लगाया है। देश में इंटरनेट की सुलभता से पहुंच होने के चलते ऑनलाइन गेमिंग ऐप का आलम यह हो गया था कि देश के दूरदराज के गांवों से लेकर कस्बों शहरों तक में भी यह लोगों को घर बैठे-बैठे हुए ही सट्टेबाजी करने के लिए प्रेरित करने लगा है, घर की चौपाल से लेकर के गली, मोहल्ले, नुक्कड़ हर तरफ ऑनलाइन गेमिंग ऐप की चर्चा सुनना अब आम बात हो गयी थी।

लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग की इस गंभीर चुनौती को समय रहते समझने का कार्य करते हुए, 19 अगस्त 2025 को देश के घर-घर में छोटे व बड़े-बूढ़े तक के बीच में भी अपनी पैठ बना चुके ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर नियंत्रण लगाने के लिए एक कानून ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025 को कैबिनेट में पारित करवाने का कार्य करते हुए, 20 अगस्त 2025 को चंद मिनटों में ही ध्वनि मत से देश दोनों सर्वोच्च सदनों से पास करवाया। हालांकि देश के कुछ लोगों को इस कानून से कोई भी फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन जिन लोगों के घर ऑनलाइन गेमिंग ऐप के माध्यम से चल रही पैसों की सट्टेबाजी के चलते बर्बादी के कगार पर आकर खड़े हो गये हैं, इस सख्त कानून से उन लोगों के बिखरते घर-बार व कारोबार बच जायेंगे। साथ ही जो परिवार इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के नाम पर चल रही सट्टेबाजी व साइबर फ्राड आदि का शिकार होकर धन-दौलत यहां तक की परिजनों को भी खो चुकें हैं, उन परिजनों को भी संतोष मिलेगा की अब भविष्य में उनकी तरह किसी का घर-परिवार तबाह नहीं होगा।

वैसे तो देश में ऑनलाइन गेमिंग ऐप का बहुत बड़ा कारोबार है, देश में इसके ग्राहक छोटे-छोटे बच्चों से लेकर के बड़े-बुजुर्ग तक भी हैं, जो इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले अपने मोबाइल फोन में इन ऑनलाइन गेमिंग के विभिन्न ऐप डाउनलोड करके ऑनलाइन गेम खेलते हुए इनकी भयंकर लत व मानसिक अवसाद के शिकार हो रहे हैं। वहीं इन गेम के प्लेटफार्मों पर खुल्लमखुल्ला पैसे लगाओं, टीम बनाओं, करोड़ों कमाओं जैसी आकृषित करने वाली टैग लाइन के साथ सट्टेबाजी चल रही है, इन प्लेटफार्मों पर लोग कमाई के झांसें में आकर के जीवन भर की अपनी गाढ़ी कमाई को गंवाने का काम कर रहे थे। साथ ही देश में जिस तरह से साइबर फ्राड की घटनाएं

ऑनलाइन गेमिंग ऐप के सहारे आये-दिन घटित हो रही हैं, वह चिंतित करने वाली स्थिति है। जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी सरकार की ऑनलाइन गेमिंग के इस कारोबार पर पैनी नजर बनी हुई थी। उसी कड़ी में वर्षों पहले ही मोदी सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर रुपए-पैसों की किसी भी प्रकार की ट्रांजेक्शन पर 1 अक्टूबर 2023 में 28 प्रतिशत और वर्ष 2024-2025 में जीती गयी धनराशि पर 30 प्रतिशत जीएसटी लागू कर दिया था, जिससे सरकार को लगभग 20 हजार करोड़ रुपए सालाना की भारी-भरकम धनराशि जीएसटी के रूप में मिल रही थी। ऑनलाइन गेमिंग के पिछले कुछ वर्षों में लगभग 400 स्टार्टअप भारत में शुरू हुए हैं, वहीं लगभग 25 हजार करोड़ निवेश हुए हैं। लेकिन मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने खुलासा किया था कि भारतीय हर वर्ष लगभग 1 लाख 20 हज़ार करोड़ रुपए भारी-भरकम धनराशि इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप के चक्कर में खर्च कर रहे हैं, जो बेहद ही चौंकाने वाली व चिंताजनक स्थिति है। वहीं केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया था कि ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में हर वर्ष 45 करोड़ भारतीय 20 हजार करोड़ रुपए गंवा देते हैं। वहीं देश में साइबर सुरक्षा पर पैनी नजर रखने वाली एजेंसियों ने भी इन ऑनलाइन गेमिंग के प्लेटफॉर्मों पर सख्ती कर रखी थी, इन एजेंसियों ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप की आड़ में साइबर फ्राड करने वाले हजारों ऐप को बैन तक करके लोगों को ठगी से बचाने का कार्य किया है, अकेले वर्ष 2022 में ही सरकार ने 1400 से ज्यादा वेबसाइट को ब्लॉक किया था। लेकिन सरकार की लाख सख्ती के बावजूद भी ऑनलाइन गेमिंग ऐप वाले लोगों की जेब से पैसा निकालने की कुछ ना कुछ नयी तिकड़म बैठाकर के लोगों को चूना लगाने में कामयाब हो ही जाते थे।

जिसके चलते ही नरेन्द्र मोदी की सरकार ने लोगों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले ऑनलाइन मनी गेमिंग ऐप की लूट-खसोट पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून बनाने की शुरुआत की, नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 19 अगस्त 2025 को ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक 2025 को मंजूरी देते हुए अगले दिन ही 20 अगस्त 2025 को लोकसभा व राज्यसभा में पास करवा कर के, इस विधेयक को महामहिम राष्ट्रपति से हरी झंडी मिलने की मंजूरी के लिए भेज दिया, जहां पर इस विधेयक को 22 अगस्त 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी की मोहर लगने का बाद यह कानून देश में लागू हो गया है। इस नये कानून के अनुसार ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर रुपए-पैसों के लेन-देन वाली ट्रांजैक्शन देश में पूरी तरह से प्रतिबंधित है। अब देश में ऑनलाइन गेमिंग ऐप में रुपए-पैसों का लेन-देन उपलब्ध करने वाले लोगों को तीन वर्ष तक की कड़ी सजा और एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना भुगतान होगा। वहीं जिस तरह से ऑनलाइन गेमिंग ऐप भोले-भाले लोगों को अपने चंगुल में फंसाने के लिए आये-दिन खेल जगत के चर्चित चहरों व विभिन्न सेलिब्रिटी का सहारा लेने का कार्य करते थे, उस पर भी दो वर्ष की सजा और 50 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान होने से ऑनलाइन गेमिंग के प्रोमोशन पर अंकुश लगेगा। सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर बनाये प्रावधानों में यह साफ कर दिया है कि यह एक सामाजिक बुराई है, जिस पर केंद्र सरकार पूरी तरह से अंकुश लगाना चाहती है। वैसे ऑनलाइन गेमिंग ऐप के मुद्दे पर पक्ष के साथ-साथ विपक्ष भी यह मानता था कि यह एक गंभीर सामाजिक बुराई बन चुकी है, तब ही यह विधेयक लोकसभा व राज्यसभा दोनों सदनों में महज 26 मिनट में पास हो गया।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा था कि यह कानून देश में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देगा, लेकिन उन ऑनलाइन गेमिंग ऐप को रोक देगा, जिनका सीधा असर लोगों की आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कानून को समाज को हानिकारक प्रवृत्तियों से बचाने की दिशा में बड़ा कदम बताया।

हालांकि नये कानून के बाद देश में ऑनलाइन गेमिंग का कार्य करने वाले बहुत सारे प्लेटफार्मों ने रुपए-पैसे के लेन-देन बंद करने की घोषणा कर दी है, जो ऑनलाइन गेमिंग ऐप की दुनिया में व आम जनमानस के हित में एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

चुनाव आयोग खुद एक ऐसी मजबूर

हरिशंकर व्यास

देश में गिनी चुनी संस्थाएं थीं, जिनके कामकाज को देश के अंदर और बाहर भी सराहा जाता था। उनमें एक संस्था चुनाव आयोग था। टीएन शेषन के समय लोगों ने जाना कि चुनाव आयोग एक संस्था होती है और वह चाहे तो सरकारों को कुछ भी करने के लिए मजबूर कर सकती है। लेकिन अब चुनाव आयोग खुद एक ऐसी मजबूर संस्था दिख रही है, जिस पर दया आती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोनों चुनाव आयुक्तों के साथ पिछले रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उसकी ऐसी दयनीयता सामने आई, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है।

विपक्ष के आरोपों पर ऐसे ऐसे बेसिरपैर के तर्क दिए जा रहे थे, जैसे तर्क टेलीविजन की बहसों में पार्टी के प्रवक्ता भी नहीं देते हैं। चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके नेता प्रतपिक्ष राहुल गांधी को धमकाया कि आपने जो आरोप लगाए हैं उन्हें हलफनामे के साथ चुनाव आयोग के सामने दायर करें या देश से माफी मांगें। सोचें, पहले चुनाव आयोग सिर्फ एक लाइन कह देता था कि आरोपों की जांच कराई जाएगी और मामला खत्म हो जाता था। अब आयोग को हलफनामा चाहिए तब जांच होगी!

चुनाव आयोग की साख और हैसियत ऐसी हो गई है कि विपक्षी पार्टियों के नेता खुलेआम उसे धमकी दे रहे हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग के अधिकारी और कर्मचारी होशियार हो जाएं। सत्ता बदलेगी तो सबका हिसाब होगा। उन्होंने यहां तक कहा कि रिटायर हो जाने के बाद भी कोई नहीं बचेगा। इससे पहले क्या किसी संवैधानिक संस्था के प्रति ऐसी अनादर वाली बात किसी विपक्षी पार्टी के मुंह से निकलती थी? विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस को भाजपा के प्रवक्ताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस बता रही हैं। ऐसा होने चुनाव आयोग की अपनी करनियों, अपने रवैए से साख और प्रतिष्ठा गंवाने से है। आयोग ने निष्पक्ष और तटस्थ दिखने का प्रयास ही बंद कर दिया है।

इसकी एक मिसाल तो यही है कि राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बेंगलुरू सेंट्रल लोकसभा सीट की एक विधानसभा सीट महादेवपुरा में एक लाख वोट की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने तत्काल राहुल को नोटिस जारी कर दिया और कहा कि वे अपने आरोपों को हलफनामे के साथ जमा कराएं। इसके अगले ही दिन भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने रायबरेली और अमेठी लोकसभा में लाखों वोटों की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने उनको नोटिस जारी करने की जरुरत नहीं समझी।

चुनाव प्रचार के दौरान भी सत्ता पक्ष के नेताओं के भड़काऊ भाषण की अनगिनत शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं लेकिन चुनाव आयोग कान में तेल डाल कर बैठा रहता है। लेकिन अगर किसी विपक्षी नेता के खिलाफ शिकायत आ जाए तो तत्काल कार्रवाई की जाती है। चाहे खर्च का मामला हो या भड़काऊ भाषण का मामला हो या मतदान में गड़बड़ी का मामला हो। हर मामले में चुनाव आयोग विपक्ष के विरोध में काम करता दिखता है। तभी विपक्षी पार्टियों ने उसे भाजपा का अभिन्न अंग बताना शुरू कर दिया है। विपक्षी पार्टियों ने पिछले दिनों कहा कि आयोग को इतने बड़े कार्यालय की क्या जरुरत है। भाजपा कार्यालय में एक फ्लोर पर उसका ऑफिस बना दिया जाए।

आज स्थिति है कि जिसको मन होता है वह चुनाव आयोग पर आरोप लगा कर चला जाता है और आयोग इस बात का रोना रो रहा है कि उसकी इज्जत होनी चाहिए। चुनाव आयोग की ओर से वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 'वोट चोरी' जैसा शब्द बहुत अपमानजनक है और ऐसी बात नहीं कही जानी चाहिए। लेकिन सवाल है कि जब आयोग को खुद अपनी इज्जत का ख्याल नहीं है तो दूसरा कोई क्या कर सकता है? विपक्ष कह रहा है कि मतदान की वीडियो फुटेज जारी की जाए तो आयोग ऐसे बेसिरपैर के तर्क देता है कि दूसरे की मां, बहनों, बेटियों की फुटेज क्यों जारी करें। सोचें, यह क्या तर्क है? विपक्ष फर्जी वोट जोड़े जाने के आरोप लगाता है तो विपक्ष से कहा जाता है कि हलफनामे के साथ सबूत दो। विपक्ष कंप्यूटर से पढ़े जा सकने लायक मतदाता सूची यानी मतदाता सूची की सॉफ्ट कॉपी मांगता है तो आयोग कहता है कि नहीं देंगे। इसके बाद भी आयोग को फुल इज्जत चाहिए!

भारत-चीन संबंधों में सुधार

चीन को अहसास है कि भारत ने कुछ अमेरिका के बदले रुख और कुछ आर्थिक जरूरतों के कारण उसकी तरफ हाथ बढ़ाया है। तो उसकी सोच है कि भारत और अमेरिका के बीच दूरी जितनी बढ़ाई जा सके, वह उसके दीर्घकालिक हित में होगा।

भारत- चीन के संबंधों में जिस तेजी से सुधार हो रहा है, उन पर सहज यकीन नहीं होता। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान माहौल सतर्कता भरी गर्मजोशी का रहा। ऐसा महसूस हुआ कि फिलहाल भारत सरकार का जो मन बदला है, चीन उसका पूरा फायदा उठा लेने की फिराक में है। चीन का मकसद रणनीतिक है। उसे अहसास है कि भारत ने कुछ अमेरिका के बदले रुख और कुछ आर्थिक जरूरतों के कारण उसकी तरफ हाथ बढ़ाया है।

तो चीन की सोच संभवतः यह है कि इस मौके पर भारत और अमेरिका के बीच दूरी जितनी बढ़ाई जा सके, वह उसके दीर्घकालिक हित में होगा। नतीजतन, वांग की यात्रा के दौरान चीन ने रेयर अर्थ, अन्य खनिजों एवं उर्वरकों का भारत को निर्यात की इजाजत देने के संकेत दिए। दोनों देश सीधी विमान सेवा और सीमा व्यापार फिर शुरू करने की ओर भी आगे बढ़े हैं। चीन ने तिब्बत में बन रहे दुनिया के सबसे बड़े बांध के कारण ब्रह्मपुत्र नदी में दल के बहाव के बारे में भारत में फैली चिंता का समाधान करने की कोशिश भी की। वांग सीमा वार्ता के लिए नई दिल्ली आएथे। इस दिशा में भी प्रगति हुई। सीमा निर्धारण के लिए विशेषज्ञ दल बनाने का निर्णय हुआ है।

वांग की यात्रा के दौरान सबसे प्रमुख घटना उनकी प्रधानमंत्री से मुलाकात रही, जिस दौरान नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन की चीन में होने जा रही शिखर बैठक में भाग लेने की पुष्टि कर दी। मोदी ने कहा- 'भारत और चीन के बीच स्थिर, पुर्वानुमेय एवं रचनात्मक संबंध का क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति और समृद्धि में महत्तवूपर्ण योगदान होगा।' मगर कई पेच बाकी हैं। उनमें सीमा विवाद सिर्फ एक है। गौरतलब है कि वांग नई दिल्ली से सीधे पाकिस्तान गए हैं। दक्षिण एशिया में चीन और भारत की रणनीतियों में टकराव के पहलू बने हुए हैं। उनके रहते दोनों देश समान मकसद के लिए काम कर पाएंगे, इसकी संभावना कम दिखती है। इसीलिए ये सवाल उठा है कि क्या दोनों देश फिलहाल अपने संबंधों में सिर्फ फ़ौरी एडजस्टमेंट कर रहे हैं?

पुराना नारा नए मौसम के लिए चमका दिया

श्रुति व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में हर साल भारत को एक नए सवेरे का वादा मिला है! हर वर्ष का हिसाब यदि लगाए तो प्रति वर्ष नई थीम पर एक नारा, एक प्रण और शुरू एक काउंटडाउन। मतलब कल हमेशा नए नाम से, नई पैकेजिंग में लौट आता है! मानो पूरा देश एक स्थायी वेटिंग रूम में नए वादों की स्थाई इंतजारी की नियति लिए हुए हो। और ऐसा इस स्वतंत्रता दिवस पर भी हुआ। पुराना नारा नए मौसम के लिए चमका दिया गया—पुरानी शराब, नई बोतल। और सोमवार तक उसके पैकेज को सरकार ने बाकायदा और महत्वाकांक्षी, और तात्कालिक तथा लुभावना बना दिया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नए नए जुमले के साथ नया अध्याय खोला—100 दिन का ट्रांसफॉर्मेशन एजेंडा, और यह भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की तेज रफ्तार यात्रा का कथित रोडमैप है। प्रधानमंत्री के लालकिले के संकल्पों पर आधारित यह योजना पंच प्राणों का सहारा लेती है—एकता, कर्तव्य, धरोहर और औपनिवेशिक मानसिकता का त्याग। उन्होंने कहा कि हर नागरिक, इस सामूहिक सफर का हिस्सेदार बनेगा।

लेकिन यह सब सुनना अजीब तरह से क्या पहले जैसा ही कुछ नहीं है? वही अनुभव कि अगली पंद्रह अगस्त तक के लिए नया झूनझूना! अब सबकों अनुभव है कि प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति डिलीवरी पर नहीं बल्कि लोगों की इंतजारी को आगे बढ़ाती हुई होती है। अब तो इंतजार का 1947 तक का समय तय हुआ है। 'मेक इन इंडिया' से 'डिजिटल इंडिया', आत्मनिर्भर भारत से अमृत काल तक—हर नारा वर्तमान को भूमिका बना देता है और असली वादा उस क्षितिज पर धकेल देता है, जो हमेशा सालो साल दूर खिसकता जाता है। कल की राजनीति देश की गति, रफ्तार का आयाम बनता है, पर अभी तक जो हुआ है, आज का हिसाब नहीं करती। यही कारण है कि 100 दिन का एजेंडा एक नई शुरुआत से ज़्यादा एक दोहराई हुई स्क्रिप्ट लगती है। भारत यह धुन पहले भी सुन चुका है—परिवर्तन, तेज रफ्तार, नियति। अगर अब हम दौड़ने का संकल्प ले रहे हैं, तो पिछले ग्यारह साल क्या कर रहे थे? अगर 2047 मंज़िल है, तो हम अभी भी एजेंडे, घोषणा की बाते ही क्यों करते हुए है? क्यों शुरुआती लाइन पर खड़े हैं?

यह याद रखने लायक है कि भारत ने पहले भी एक ऐसे दौर को जिया है जब विजन गढ़े जाते थे। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्टील कारखानों, वैज्ञानिक संस्थानों और बाँधों को आधुनिक भारत के मंदिर कहा था। तब यह केवल कथा थी, दृष्टि का छलावा। पर समय बीतने के साथ प्रतीक ढाँचे बने—ईंट-पत्थर में जमी महत्वाकांक्षाएँ। प्रगति के अमूर्त विचार को आकार मिलने लगा। फैक्टरी फ्लोर पर चला जा सकता था, बाँध की दीवारें उठते देखी जा सकती थीं, आईआईटी परिसर में दाख़िला लिया जा सकता था। यह उस भविष्य के ठोस प्रमाण थे जो बन रहा था।

अब ढर्रा बदल गया है। अब अमूर्त विकसित भारत है। मोदी सरकार की कल की राजनीति याकि 2047 की बाते, झांकी अलग तरह की है। उनके नारे—मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अमृत काल—ठोस नींव, ठोस इमारत, ठोस निर्यात व्यापार, ठोस कल-कारखानों में नहीं बल्कि जुमलों, भावनाएँ और वादे, संकल्प लिए हुए हैं। अब योजना-काम- परिणाम की पंचवर्षीय योजनाएं नहीं है बल्कि इंतजार और काउंटडाउन की कोरियोग्राफी पर पनपते हैं, जहां भविष्य हमेशा सुनहरा होता लगेगा लेकिन हमेशा टलता हुआ और टाइमलाईन बढ़ाता हुआ। जबकि नेहरू ने कम-से-कम संस्थान बनाए, वे कारखाने-बांध खड़े किए थे जिन्हें मापा जा सकता था। वही प्रधानमंत्री मोदी लगातार कहानी-कथाएँ सुनाते है जिन्हे बार-बार दोहराते हुए भी यह नहीं लगता है कि वे थक रहे हो या लोग सुनते-सुनते थक गए हो।

इस स्क्रीप्ट में नया 100 दिन का एजेंडा सटीक है। यह तात्कालिकता को दृश्य बनाता है—मानो बारहवें साल में भी सरकार अभी-अभी दौड़ शुरू कर रही हो। लेकिन अगर अब तेज रफ्तार है, तो पिछले ग्यारह साल क्या थे? अगर 2047 मंजिल है, तो स्टेशन पर क्या तब तक इंतजार ही करते रहना है? क्यों? यह सिर्फ भाषण का सवाल नहीं है, यह नई राजनीति का एक चिरस्थाई सा ढाँचा बनता लगता है। हमेशा वादा, मगर शायद ही कभी डिलीवरी और कभी खत्म नहीं होने वाला सिलसिला।

2020 का आत्मनिर्भर भारत अभियान याद कीजिए। महामारी के चरम पर जब सप्लाई चेन टूट रही थी, प्रधानमंत्री ने असुरक्षा, आपदा को ही अवसर बता बड़े सपने बनाए थे। आत्मनिर्भरता सरकार की नीति नहीं बल्कि दर्शन बना दी गई—मानो यह नियति हो। शब्दों ने आत्म निर्भरता को दृढ़ संकल्प का रूप दिया। उस क्षण में हौसला बढ़ा, पर प्रयोगशालाएँ, सप्लाई चेन, निवेश—जिनसे सच्ची आत्मनिर्भरता आती है—कभी नहीं बने। पाँच साल बाद नारे और वास्तविकता का अंतर और गहरा है। तेल से लेकर सेमीकंडक्टर तक, भारत अब भी आयात पर निर्भर है। डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियाँ—आज 25, कल 50—उस मायाजाल को तार-तार बना देती हैं, जो विपक्ष के बूते में भी नहीं है। समय ही बताता है कि न भारत आत्मनिर्भर हुआ है और उसके दूर-दूर तक कोई लक्षण है।

और यह नेहरू के आधुनिक मंदिरों बनाम मोदी के संकल्पों, एजेंडों, जुमलों और नारों का बुनियादी फर्क है। नेहरू के स्टील प्लांट, रिफाईनरी, सरकारी प्रतिष्ठानों, बाँधों ने लोगों का विस्थापन किया हो या सरकारी भ्रष्टाचार बनवाया हो, वे संस्थान लड़खड़ाए, बावजूद इसके वे सब आज भी खड़े हैं। उनकी आलोचना हो सकती है, समीक्षा हो सकती है, सुधार हो सकता है। मगर जुमले और नारे तो आलोचना से भी परे हैं। संकल्पों और प्रतिज्ञाओं को कोई नहीं मांप सकता है बस उन्हे दोहराते रहा जाता है।

इसीलिए 100 दिन का एजेंडा अपने वादों से ज्यादा सियासी डिजाइन को उजागर करता है। तात्कालिकता यहाँ डिलीवरी नहीं, बल्कि झांकी व दृश्य है। यह एक ऐसे शासन का आभास देता है, जो मानो नयी ऊर्जा से दौड़ रहा हो, जबकि वह असल में सत्ता में बारहवें साल में है। काउंटडाउन पॉलिटिक्स—100 दिन, 5 प्रण, 2047—मोदी युग के गवर्नेंस की वह व्याकरण है जो संख्यात्मक, लयबद्ध, दोहराने में भरपूर आसान है लेकिन रियलिटी और अनुभवों में मापने में कठिन। वाणिज्य मंत्री गोयल ने एजेंडा विरासत, परंपरा और औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति को फरेम में रखा। इससे विकास एक सभ्यतागत परियोजना में बदल जाता है, जिसमें कठिनाइयाँ देशभक्ति का त्याग कहलाती हैं। नौकरियाँ नहीं आतीं, अस्पताल फंड नहीं पाते, स्कूल पिछड़ते हैं—तो इसका कारण बताया जाता है कि हम औपनिवेशिक बोझ उतार रहे हैं। सो नागरिकों को सिर्फ लाभार्थी नहीं बल्कि त्यागी सैनिक बनना चाहिए ताकि हम एक ऐसे मार्च, एक ऐसी परेड़ का हिस्सा बने जिसका गंतव्य 2047 होगा। अर्थात हमेशा कल।

लेकिन नारों पर कविता कर सकते है लेकिन उसके लिए आंकड़े, अंक कैसे बनेगे? भारत तो जीडीपी का केवल 0.7 अनुसंधान और विकास पर खर्च करता है। मतलब अमेरिका (3.6) और चीन (2.4) से बहुत पीछे। वैश्विक नवाचार सूचकांक पर भारत 39वें स्थान पर है। बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर है, कृषि संकट हर साल गहराता हुआ है, और जलवायु आपदाएँ—बाढ़, भूस्खलन, लू—अब मौसम की परिभाषा बन चुकी हैं। इस सबकों, तमाम समस्याओं को क्या सिर्फ वादों से सुलझाया जा सकता? जाहिर है विकास ख्याली-स्मृति-कार्य नहीं है बल्कि ठोस कारखानों (कैसे बांग्लादेश ने भारत को परंपरागत वस्त्र उद्योग में भी पछाडा), ढाँचे, निवेश और नवाचार से बनता है। जब तक भारत इसकी बुनियाद पर निवेश याकि प्रयोगशालाएँ, मजबूत सप्लाई चेन, स्वास्थ्य, शिक्षा को सुधारेगा नहीं कोई खांका नहीं बनना है।

सो कहानी सिर्फ अर्थशास्त्र की नहीं, राजनीति के स्वरूप की है। शासन अब कार्यक्रमों से कम और प्रदर्शन से ज्यादा जुड़ा है। आत्मनिर्भर भारत कोई नीति दस्तावेज नहीं, बल्कि एक कथा थी। 100 दिन का एजेंडा कोई सुधार ब्लूप्रिंट नहीं है, बल्कि एक कागजी पटकथा भर है। इसका मकसद डिलीवरी नहीं, बल्कि ध्यान भटकाना है—आज की समस्याओं से नजरें हटाकर कल्पित भविष्य की ओर मोड़ना।

शायद इसी कारण मोदी की राजनीति लगातार उड़ती हुई है। इससे नागरिकों को केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि नियति, कर्तव्य और सभ्यता के बड़े आख्यान, कथाएं मिलती है। कठिनाई त्याग बन जाती है; देरी अनुशासन। जहां नीति फिसलती है, वहां कविता संभाल लेती है।

लेकिन दुनिया का मामला अलग है। वह इतनी आसानी से प्रभावित नहीं होती। ट्रंप के टैरिफ सिर्फ व्यापार नीति नहीं, बल्कि आईना हैं। वे दिखाते हैं कि आत्मनिर्भरता के नारे और बाहरी निर्भरता का अंतर्विरोध कितना गहरा है। और पता पड़ता हैं कि जुमलों की कथा रणनीति का विकल्प नहीं है और देश का नरेटिव कंट्रोल बाहरी झटकों से अर्थव्यवस्था को कतई बचा नहीं सकता। भारत दुनिया की अगली कार्यशाला बनने का दावा करता है, लेकिन बिना नवाचार के वह दूसरों की डिजाइन का कारखाना भर रहेगा। 140 करोड लोगों की एक विशाल अर्थव्यवस्था, लेकिन औसत नवाचार प्रोफाइल वाली।

इस तरह बात फिर कल पर आ ठहरती है। जैसे-जैसे भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, यह सवाल बनेगा कि क्या हम मंदिर बनाएँगे या टैगलाइन गढ़ेंगे? नेहरू की विरासत पर विवाद हो सकता है, पर उसने भारत को बहस करने लायक ढाँचा तो दिया था। उस नाते मोदी की विरासत कहीं ज्यादा क्षणभंगुर न रह जाए—प्रदर्शन की राजनीति, जो वादों को हमेशा टालती रहती है। 100 दिन का एजेंडा निस्संदेह सुर्खियाँ बटोरेगा। यह अगले 100 दिनों का आख्यान बनेगा, जब तक कि कोई नई कछा, नया नारा न गढ़ लिया जाए। पर भारत तो कुल मिला कर उसी कल (2047) की ओर मार्च करता रहेगा—जो कभी आता ही नहीं।

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट

CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com

सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में

सभी प्रकार के विज्ञापन

के लिए

संपर्क करें

Mob.-:

9303289950

7987166110

खास खबर

कीट नियंत्रण पर राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण लेकर लौटे दुर्ग के नदीम

भिलाई। भारत में भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए कीट नियंत्रण (पेस्ट कंट्रोल) को लेकर पुणे में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अधीन खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन (फॉस्टैक) के विशेषज्ञों ने देश भर के प्रमुख कीट नियंत्रण सेवा प्रदाताओं को विशेष प्रशिक्षण दिया। राष्ट्रीय महत्व के इस प्रशिक्षण की पहल देश भर के पेस्ट कंट्रोल उद्योग की केंद्रीय संस्था प्राइम पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन ने की थी। जिसमें एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ रीजन हेड और दुर्ग निवासी मोहम्मद मजहर नदीम ने भाग लिया और खाद्य सुरक्षा में पेस्ट कंट्रोल को लेकर भविष्य की स्थिति पर विशेषज्ञों के सम्मुख अपनी बातें रखीं। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में भी इस स्तर के प्रशिक्षण पर जोर दिया, जिससे राज्य में तेजी से बढ़ रही फूड इंडस्ट्री के समक्ष पेस्ट कंट्रोल की चुनौतियों से निपटा जा सके। पुणे के अल्फा बचत भवन में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण सत्र में देश भर से खाद्य सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध 100 पेशेवर प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण से लौटे मजहर नदीम ने बताया कि छत्तीसगढ़ सहित देशभर में तेजी से बढ़ रही फूड इंडस्ट्री को देखते हुए भविष्य की तैयारी जरूरी है। लेकिन छत्तीसगढ़ में फूड सेफ्टी सुपरवाइजर बनने प्रशिक्षण मॉड्यूल वर्तमान में नहीं है। मजहर नदीम ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने 'एफएसएसएआई' के अधीन 'फॉस्टैक' के प्रतिनिधियों से निवेदन किया है कि छत्तीसगढ़ में भी इसी तरह के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। जिस पर उन्हें सकारात्मक जवाब मिला है और जल्द ही इसका नतीजा देखने को मिल सकता है। मजहर नदीम ने बताया कि 'फॉस्टैक' के प्रतिनिधियों के आश्वासन के अनुरूप खाद्य क्षेत्र में कीट प्रबंधन पर प्रशिक्षण की पहल होने पर भविष्य में फूड सेफ्टी सुपरवाइजर की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

सम्मानित किए गए डॉ. शादाब और फारूक

भिलाई। अंजुमन हुसैनिया खुर्सीपार की ओर से युवा अस्थिरोग सर्जन डॉ. मोहम्मद शादाब और वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद फारुक का सम्मान उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए किया गया। अंजुमन हुसैनिया की ओर से हर साल 10 दिन तक चलने वाले शोहदाए कर्बला के आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से चुने गए अंचल के प्रमुख लोगों का सम्मान किया जाता है। अंजुमन हुसैनिया के प्रमुख हुसैन अली अशरफी ने बताया कि इस आयोजन में डॉ. शादाब और मोहम्मद फारुक का भी सम्मान होना था। इसे देखते हुए अंजुमन की ओर से इनके निवास जाकर इन्हें सम्मानित किया गया। डॉ. शादाब वर्तमान में शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज–अस्पताल भिलाई में अस्थि रोग सर्जन के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वहीं वर्तमान में दूरदर्शन के स्थानीय प्रतिनिधि मोहम्मद फारुक विगत तीन दशक से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

बुधवारी बाजार में पेवर ब्लॉक टाइल्स का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 59 और 21 स्थित पटरी पार बुधवारी बाजार में आज श्रीगणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विकास की नई सौगात मिली। कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं पार्षदगण की उपस्थिति में पेवर ब्लॉक टाइल्स लगाने के कार्य का लोकार्पण किया।

यह कार्य 15वें वित्त आयोग की स्वीकृति अंतर्गत कराया गया है। बाजार क्षेत्र में 25 हजार स्क्वायर फीट हिस्से को कवर करते हुए पेवर ब्लॉक टाइल्स बिछाए गए हैं, जिस पर लगभग 20 लाख रुपये की लागत आई है। इस कार्य की घोषणा पिछले गणेश पक्ष में पार्षदों की मांग पर विधायक द्वारा की गई थी। आज गणेश चतुर्थी के शुभ पर्व पर इस घोषणा को साकार कर नागरिकों को समर्पित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा क्षेत्र की जनता की सुविधा और विकास हमारी प्राथमिकता है। बुधवारी बाजार हजारों लोगों की रोजमर्रा की ज़रूरतों से जुड़ा हुआ है। यहां पेवर ब्लॉक टाइल्स का काम पूरा होने से लोगों को बेहतर और साफ वातावरण मिलेगा। आने वाले समय में सरकार और निगम मिलकर ऐसे और कार्य करेंगे, ताकि नागरिकों को सुविधा और समुचित वातावरण मिल सके।

महापौर अलका बाघमार ने कहा नगर निगम का लक्ष्य है कि शहर के हर बाजार और वार्ड में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुदृढ़ आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बुधवारी बाजार पटरी पार क्षेत्र के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण स्थान है, यहां पेवर ब्लॉक टाइल्स के साथ–साथ रंगरोगन और लाइटिंग की बेहतर व्यवस्था भी कराई गई है। इससे बाजार का स्वरूप निखरकर सामने आया है और नागरिकों को सुविधाजनक माहौल मिलेगा।

स्थानीय पार्षदों और नागरिकों ने मंत्री और महापौर का आभार जताते हुए कहा कि पटरी पार बुधवारी बाजार प्रकाश व्यवस्था बेहतर होने से अब और आकर्षक व सुरक्षित दिखने लगा है। लोगों ने बताया कि अब यहां रात 9 बजे के बाद भी आराम से सब्जी और अन्य सामान खरीदा जा सकेगा, जिससे व्यापार और नागरिक दोनों को फायदा होगा।

लोकार्पण अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल,एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे,देव नारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार,काशीराम कोसरे,शिव नायक,लीलाधर पाल,पार्षद विद्यावती सिंह, नीलम शिवेंद्र परिहार, गुलाब वर्मा, साजन जोसफ सावित्री दमाहे, शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, कुलेश्वर साहू,मनोज सोनी, खालिफ रिजवी,गुलशन साहू,सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

तीजा तिहार कार्यक्रम में सम्मिलित हुए विधायक ललित चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रिसाली मरोदा टैंक मोड़ स्थित कल्याणी शीतला मंदिर परिसर में कल्याणी शीलता समिति द्वारा तीन दिवसीय तीजा तिहार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न पारंपरिक खेल कूद आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित हुआ । मां शीलता व भोले बाबा की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और इस अवसर पर उपस्थित सभी तीज हारिन माताओं–बहनों को प्रणाम कर पावन पर्व तीजा की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। साथ ही तीज हारिन बहनों को साड़ी एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया । आयोजित खेल प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरुस्कृत किया।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा तीजा तिहार जैसे पारंपरिक पर्वों का आयोजन न केवल सामाजिक एकता का प्रतीक है, बल्कि हमारी संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आयोजन समिति के सभी सदस्यों को इस सफल आयोजन हेतु हृदय से धन्यवाद एवं साधुवाद। इस अवसर पर समाजसेवी रजनी बघेल, जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू , वरिष्ठ लोकगायिका रजनी रजक सभापति नगर निगम रिसाली केशव बंछोर

, सांसद प्रतिनिधि पप्पू चंद्राकर , रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शेंडे , पार्षद विधि यादव , नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, विधायक प्रतिनिधि शुरेंद्र रजक संरक्षक अरुण वर्मा पुन्नू यादव सहित क्षेत्र की माताएँ–बहनें एवं समिति के सदस्य गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खेल कूद के परिणामो में मटका दौड़ में प्रथम ईसा सेन, दूसरा नूतन सिन्हा व तीसरा मोगरा डहरे रही। मटकी फोड़ में प्रथम हिना देवागन, द्वितीय सुनीता विश्वकर्मा, तृतीय काजल रामटेके, गोटा स्पर्धा में प्रथम सुलोचना निषाद, द्वितीय चित्रलेखा लहरे, तृतीय कृतिका, बिंदी स्पर्धा में प्रथम विमला यदु, द्वितीय पूर्णिमा साहू, तृतीय मालती साहू, गोली चम्मच में प्रथम सुनीता वर्मा, द्वितीय उपासना वैष्णव, तिरीपासा में प्रथम उतरा पटेल, द्वितीय भुनेश्वरी डहरिया, तृतीय पावर्ती पटेल, बिल्लस में प्रथम किरण साहू, द्वितीय सुनीता वर्मा व तृतीय देवकी यादव, सुई धागा दौड़ में प्रथम नूतन सिन्हा, द्वितीय गंगा निषाद व तृतीय सुनीता वर्मा, आलू दौड़ में प्रथम चित्ररेखा निर्मलकर, द्वितीय सुनीता वर्मा, तृतीय मीना देवांगन, मेहंदी में प्रथम पल्लवी निषाद रही।

रिटायर कर्मी बोले-सेक्टर-4 सोसाइटी ने दिया हमें पारिवारिक माहौल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर–4 ने समारोह का आयोजन कर माह जुलाई 2025 में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। इस दौरान रिटायर कर्मियों ने सम्मान के लिए आभार जताया और आगे भी सोसाइटी से जुड़े रहने की इच्छा जताई। इन कर्मियों ने अपने सेवाकाल से जुड़ी यादें साझा करते हुए कहा कि– हमें जब जरूरत पड़ी, सेक्टर–4 सोसाइटी ने हमेशा अपना हाथ आगे बढ़ाया।

स्वागत उपरांत सोसाइटी के अध्यक्ष पूरन देवांगन ने रिटायर कर्मियों को सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष श्री देवांगन ने कहा कि रिटायर हुए वरिष्ठ साथियों की भावना का पूरा सम्मान है और भविष्य में भी हम अपने इन साथियों का मार्गदर्शन लेते रहेंगे। इस दौरान रिटायर कर्मियों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की। एमएसजी से रिटायर गोविंद सिंह जाटव ने कहा कि इस सोसाइटी में हम बचत के तौर पर जितना निवेश करते हैं, उससे ज्यादा तो हमें कई स्वरूप में वापस मिल जाता है। रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से रिटायर राकेश शर्मा ने बताया कि सेक्टर–4 सोसाइटी ने सबसे पहले लाभांश देना शुरू किया, जिसका अनुसरण दूसरी सोसाइटी ने किया। ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन के बलराज सिंह और रविंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि हर पारिवारिक जरूरत में सोसाइटी से लिया ऋण ही काम आया। प्लेट मिल के रमेश कुमार ने कहा– सोसाइटी सिर्फ लोन देने का ही कार्य नहीं करती।

सिलघट में होने जा रहा है ऐतिहासिक गर्भसंस्कार महोत्सव, मुख्य अतिथि होंगे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आचार्य श्री राम शर्मा एवम परम वंदनीया माता श्रीमती भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन एवम महिला, बालविकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन के विशेष सहयोग से ऋषियों द्वारा चलाये हुए संस्कार परम्परा, आदर्श वान व्यक्ति निर्माण के प्रयासों के तहत 108 कुंडीय विश्व कल्याण गायत्री महायज्ञ, 1100 गर्भवती बहनो का सामूहिक गर्भोत्सव संस्कार, एवम 108 जोड़ा आदर्श विवाह संस्कार 10 से 13 दिसम्बर 2025 को ग्राम सिलघट में सम्पन्न होने जा रहा है। आयोजन में प्रथम दिवस

कलश यात्रा एवम ग्राम भ्रमण, द्वितीय दिवस ध्यान, आसन, प्राणायाम,देवपूजन, गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कार, युग संगीत एवम प्रवचन देव संस्कृति विश्व विद्यालय शांति कुंज हरिद्वार के प्रति कुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या के सानिध्य एवम मार्गदर्शन में सम्पन्न होगा।

–केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान होंगे गर्भ संस्कार महोत्सव के मुख्य अतिथि उक्त आयोजन में 12 दिसम्बर 2025 को गर्भवती बहनों का सामूहिक गर्भोत्सव संस्कार सम्पन्न कराया जाएगा। जिसमें मुख्य अथिति के रूप में केंद्रीय कृषि मंत्री भारत सरकार शिवराज सिंह चौहान (मामा जी) की सहमति प्राप्त हो चुकी है।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अपने कार्यालय में परिजनों से मुलाकात के दौरान मंत्री जी ने परिजनों को उत्साहित एवम आश्वस्त करते हुए कहा कि यह मेरे घर परिवार का आयोजन है, इस आयोजन में सम्मिलित होने वाले बहनो एवं माताओ के लिए मैं अपना समय अवश्य दूंगा। उक्त आयोजन में सम्मिलित होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है क्योंकि मैंने स्वयं गुरुदेव आचार्य श्री राम शर्मा जी से दीक्षा लिया है,इसलिये यह आयोजन मेरा स्वयं का आयोजन बन जाता है।

केंद्रीय कृषि मंत्री की सहमति प्राप्त होते ही छत्तीसगढ़ प्रदेश से केंद्रीय मंत्री मण्डल के एक मात्र मंत्री तोखन लाल साहू आवास एवम शहरी मामलो के राज्य मंत्री ने आयोजन को अपने प्रदेश एवम घर का आयोजन कहते हुए अपनी सहर्ष उपस्थिति की स्वीकृति प्रदान की। केंद्रीय मंत्री मण्डल के मंत्री गण की स्वीकृति के लिए लोक सभा (दुर्ग) सांसद विजय बघेल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हुए पूरे 4 दिन आयोजक के रूप में आयोजन को अपनी जिम्मेदारी बताया, सांसद महोदय के साथ परिजनों को केंद्रीय मंत्री मण्डल के मंत्री गण से समय एवम सहमति दिलाने में बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवम प्रदेश भाजपा के प्रकोष्ठ संयोजक अवधेश चंदेल ने भी भरपूर सहयोग प्रदान किया।

1100 गर्भ संस्कार पूरी तरह अद्वितीय ,भारतीय संस्कृति की वैज्ञानिक परम्परा को विश्व पटल पर स्थापित करेगा और यह इतने वृहद स्तर पर आयोजित विश्व का पहला गर्भ संस्कार समारोह होगा। अपने आप मे अद्भुत और अद्वितीय यह आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार एवं पूरे बेमेतरा जिला एवम छत्तीसगढ़ प्रदेश को गौरवान्वित करने वाला आयोजन होगा।उक्त आयोजन महिला बालविकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से किया जा रहा है।

परियोजनाएं विभाग में 'नई चेतना' कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के परियोजनाएँ विभाग में मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) उन्मेष भारद्वाज तथा मानस कुमार गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में 'नई चेतना' कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एम एंड एचएस) शुभश्री प्रषांत, सहायक महाप्रबंधक (एच.आर.–गैर संकार्य एवं खदान) नरेन्द्र इंगले, उप प्रबंधक (मानव संसाधन–मिल्स जोन 1) श्रीमती समायला अंसारी, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी (आईआर)राजेष मौर्य सहित विभागीय कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक महिलाएं उपस्थित थीं।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला ठेका श्रमिकों को वैधानिक अधिकारों, कल्याणकारी सुविधाओं, वेतन, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं महिला उत्पीड़न के बारे में जागरूक कराना था।

मुख्य अतिथियों ने 'नई चेतना' कार्यक्रम के आयोजन के उद्देष्य को रेखांकित करते हुए कहा कि संयंत्र द्वारा महिला कर्मियों के हितार्थ चलाए जा रहे

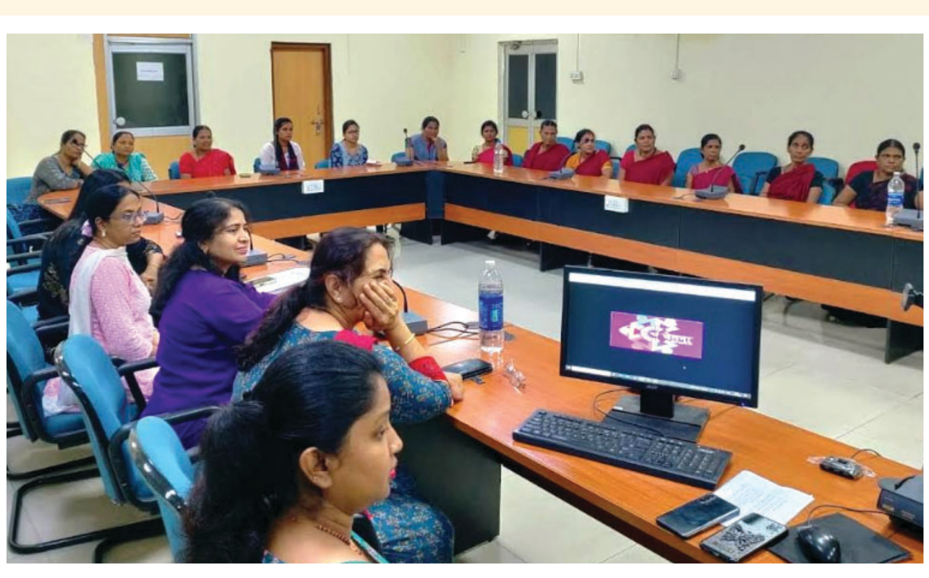

विभिन्न योजनाओं से अवगत कराने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत प्रत्येक महिला ठेका श्रमिक को अपने अधिकारों, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से संबंधित समुचित जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित महिला श्रमिकों से आग्रह किया कि वे सुरक्षा एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर दी जा रही जानकारियों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें। इस प्रकार के कार्यक्रमों को महिला ठेका श्रमिकों के हित में जन–जागरूकता का एक प्रभावी माध्यम बताते हुए एच.आर. विभाग द्वारा किए गए इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की।

अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एम एंड एचएस) श्रीमती शुभश्री प्रषांत ने महिला ठेका श्रमिकों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के महत्व पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। उप प्रबंधक (मानव संसाधन–मिल्स जोन 1) श्रीमती समायला अंसारी ने ठेका श्रमिक महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित जानकारी प्रदान की। वहीं अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी (आईआर) श्री राजेष मौर्य ने महिला श्रमिकों को मिलने वाले न्यूनतम वेतन, बोनस, पीएफ, ईएसआईसी पर विस्तार से जानकारी प्रदान की।

अनुभूति श्री फंउडेषन की संचालिका श्रीमती डिम्पल कौर द्वारा महिलाओं को माहवारी के दौरान होने वाली समस्याओं से बचाव एवं उनके निदान के संबंध में बताया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को सेनेटरी पैड का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (एच.आर.–गैर संकार्य एवं खदान) नरेन्द्र इंगले द्वारा किया गया।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Premier sales: 8959493000

A Leela Electronics: 9425507772

Reena Electronics: 9329132299

Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

दिव्यांग को दान देने से पुण्य की प्राप्ति - सुरेश मोदी

रायपुर। अमलतास रेसीडेंसी,कचना में 1008 श्री महावीर भगवान को पांडुक शिला पर विराजित कर अभिषेक, शाँति धारा तत्पश्चात प्रवचन (तत्वचर्चा) एवं संगीतमय महा पूजन की गई। उपरोक्त जानकारी मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन ने दी।

अनंत वीर्य केवली के केवल ज्ञान विषय पर चर्चा करते हुए सुरेश भाई मोदी ने बताया कि किस तरह हमे उत्तम मध्य एवं जघन्य पात्र को दान देने से किस तरह पुण्य की प्राप्ति होती है। किसी दिव्यांग या किसी अन्य को दिया गया दान करुणा दान कहलाता है जो कि परोपकार की श्रेणी मे आता है एवं पुण्य को बांधने वाला होता है। 28 अगस्त से प्रारम्भ हो रहे दसलक्षण धर्म के प्रतिदिन होने वाले कर्यक्रम बताते हुए अजित जैन ने बताया कि प्रात: 7.30 बजे से अभिषेक शान्ति धारा, प्रवचन (तत्व चर्चा) तत्पश्चात संगीतमय सामूहिक पूजन के पश्चात - दस लक्षण विधान- के पश्चात सायं 7.30 बजे से संगीतमय आरती,शास्त्र वाचन तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम मंदिर के नीचे वाले हॉल में सम्पन्न होंगे। उपरोक्त जानकारी विजय जैन द्वारा प्रदान की गई।

धरसींवा विधायक अनुज शर्मा का दिल्ली प्रवास-केंद्रीय मंत्री गडकरी का किया आभार व्यक्त

रायपुर। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य भेंट की। शर्मा ने ग्राम सांकरा (राष्ट्रीय राजमार्ग 30) में अंडर पास की स्वीकृति प्रदान करने हेतु समस्त क्षेत्रवासियों एवं प्रदेशवासियों की ओर

से श्री गडकरी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इस अंडरपास के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को वर्षों से झेल रही असुविधा और सड़क दुर्घटनाओं से मुक्ति मिलेगी तथा यातायात और अधिक सुरक्षित एवं सुगम होगा। शर्मा ने कहा कि भारत में सड़क अवसंरचना को दूरदर्शिता के साथ विश्वस्तरीय स्वरूप देने वाले मंत्री की ऊर्जा, कार्यक्षमता और दृष्टि वाकई प्रेरणादायी है। उनके नेतृत्व में भारत और छत्तीसगढ़ में सड़क निर्माण उत्कृष्टता और गति में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसके साथ ही विधायक अनुज ने प्रदेश में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं भविष्य की परियोजनाओं पर भी केंद्रीय मंत्री जी से सार्थक चर्चा कर पुन: आभार व्यक्त किया।

सिरसा अंडर ब्रिज मरम्मत कार्य के लिये सड़क यातायात बंद रहेगा

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत सिरसा अंडर ब्रिज (भिलाई-3) मरम्मत कार्य के लिए 28 जुलाई 2025 को सुबह 8 बजे से 31 जुलाई 2025 को संध्या 6 बजे तक इस अंडर ब्रिज को अस्थाई रूप से बंद करना निश्चित किया है। अंडर ब्रिज की मरम्मत करना रेल यातायात व यात्रियों की संरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक हैं ।

नगर पालिकाओं के अध्यक्ष और सीएमओ सूरत के अध्ययन भ्रमण पर जाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के सभी 55 नगर पालिकाओं के अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल सूरत के अध्ययन भ्रमण पर जाएंगे। अपने तीन दिवसीय अध्ययन प्रवास के दौरान वे सूरत नगर निगम की सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण और अपशिष्ट प्रबंधन के साथ ही शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए अपनाए गए नवाचारों का अध्ययन करेंगे। वे जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा नागरिकों से संवाद कर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के गुर भी सीखेंगे।

अध्ययन यात्रा के पहले बैच में 28 नगर पालिकाओं के अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी 28 अगस्त से 30 अगस्त तक सूरत में साफ-सफाई की व्यवस्था का अध्ययन करेंगे। वहीं दूसरे बैच में 27 नगर पालिकाओं के अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी 1 सितम्बर से 3 सितम्बर तक सूरत में अपने-अपने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के तरीके सीखेंगे। इस भ्रमण से राज्य के नगरीय निकायों को स्वच्छता के प्रति दृष्टिकोण बदलने में मदद मिलेगी। अध्ययन भ्रमण से प्राप्त अनुभव नगर पालिकाओं को स्थायी, सहभागी एवं नवाचारयुक्त अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली विकसित करने में सक्षम बनाएंगे।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की पहल पर विगत जून माह में राज्य के सभी 14 नगर निगमों के महापौर, आयुक्त और वरिष्ठ अभियंता इंदौर के अध्ययन भ्रमण पर गए थे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने अध्ययन प्रवास से लौटे सभी महापौरों और आयुक्तों के साथ मैराथन कार्यशाला आयोजित कर उनके अनुभवों को सुना था। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के नगर निगमों में स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के अनुसार इंदौर की बेस्ट प्रेक्टिसेस और नवाचारों को लागू करने मंथन किया गया था। कई नगर निगमों ने इन पर अमल भी शुरू कर दिया है।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के इंदौर के सार्थक अध्ययन भ्रमण को देखते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निर्देश पर नगरीय प्रशासन विभाग ने अन्य नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को भी देश के स्वच्छतम शहरों के भ्रमण पर भेजने का निर्णय लिया है। इसी के तहत सभी नगर पालिकाओं के अध्यक्षों और सीएमओ को अध्ययन प्रवास पर सूरत भेजा जा रहा है। सूरत नगर निगम स्वच्छता, तकनीकी दक्षता एवं शहरी नवाचारों में देश के सर्वश्रेष्ठ शहरों में से एक है। वहां की श्रेष्ठ प्रथाओं और नवाचारों को देख-समझकर लौटने के बाद उन्हें राज्य की नगर पालिकाओं में स्थानीय परिप्रेक्ष्य में लागू करने की रणनीति तैयार की जाएगी।

दो बैचों में अध्ययन भ्रमण पर जा रहे नगर पालिकाओं के अध्यक्ष और सीएमओ सूरत नगर निगम में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के एकीकृत मॉडल का अवलोकन करेंगे, जिसमें शत-प्रतिशत घर-घर अपशिष्ट संग्रहण, स्रोत-स्तरीय पृथक्करण प्रणाली, स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन, अपशिष्ट प्रोसेसिंग यूनिट्स, जीपीएसयुक्त अपशिष्ट वाहन प्रणाली, रियल-टाइम ट्रैकिंग एवं आईसीसीसी के माध्यम से निगरानी शामिल हैं। इनके साथ ही वे प्रतिभागी सर्कुलर इकोनॉमी एवं नवाचार से जुड़ी पहलों जैसे बायोमाइनिंग, वेस्ट-टू-वेल्थ, लैंडफिल प्रबंधन, आरआरआर केंद्रों तथा सामुदायिक सहभागिता आधारित शून्य अपशिष्ट पहल का भी अध्ययन करेंगे।

अध्ययन भ्रमण के दौरान सूरत नगर निगम के अधिकारियों से प्रत्यक्ष संवाद, केस स्टडी आधारित प्रस्तुतियाँ तथा छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों द्वारा स्थानीय समाधान की पहचान एवं रूपरेखा पर मंथन जैसे ज्ञानवर्धन सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इससे नगर पालिकाओं के अध्यक्षों एवं सीएमओ को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा और वे अपने निकायों में नवाचारयुक्त समाधान लागू करने के लिए प्रेरित होंगे।

राजधानी रायपुर में 'वीमेन फॉर ट्रीज' अभियान नारी शक्ति के साथ हरियाली की नई पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्र सरकार की नारी सशक्तिकरण योजना अमृत मित्र अंतर्गत वीमेन फॉर ट्रीज योजना अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के पर्यावरण और उद्यानिकी विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 3 के सहयोग से शंकर नगर वार्ड क्रमांक 30 के अंतर्गत शंकर नगर दुर्गा मैदान में रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ राज्य नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, नगर निगम पर्यावरण और उद्यानिकी विभाग के अध्यक्ष भोलाराम साहू, शंकर नगर वार्ड क्रमांक 30 के पार्षद राजेश गुप्ता,, गुरू गोविन्द सिंह वार्ड क्रमांक 29 के पार्षद कैलाश बेहरा ने स्वच्छता दीदियों सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, आमजनों, जोन 3 अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में वीमेन फॉर ट्रीज योजना अंतर्गत छायादार प्रजाति मौलश्री के पौधे रोपित किये. योजना अंतर्गत महिला स्वसहायता समूह की स्वच्छता दीदियाँ रोपित किये गए प्रत्येक पौधे के वृक्ष बनते तक अगले एक वर्ष तक समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से पौधौं की सुरक्षा और देखभाल करेंगी।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने सभी नगर वासियों से भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के नगरॉय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा-निर्देश अनुरूप समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से नारी सशक्तिकरण की अभिनव योजना वीमेन फॉर ट्रीज के अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र में निर्धारित सुरक्षित चिन्हित स्थानों पर अधिकाधिक पौधे रोपित कर राजधानी रायपुर शहर को स्वच्छ हरित स्मार्ट सिटी बनाने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील रायपुर नगर पालिक निगम के पर्यावरण और उद्यानिकी विभाग की ओर से की है।

समय रहते नहीं चेते, तो भविष्य में जल संकट होगा : पांडेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलिंगा विश्वविद्यालय में 'आर्द्रभूमि बचाओ अभियान' के तहत दो दिवसीय गोष्ठी और कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने किया। कलिंगा विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर एन्वायरमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीईईडी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जल संरक्षण और वेटलैंड संरक्षण पर गहन चर्चा हुई।

पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने प्राचीन भारतीय संस्कृति में जल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि प्राचीन जलाशय आज भी कार्यरत हैं। उन्होंने भोजन और पानी की बर्बादी पर चिंता जताते हुए माइक्रोचिप जैसे औद्योगिक कार्यों में जल की भारी खपत का उल्लेख किया। उन्होंने वर्षा जल संचयन और जल के प्रबंधित उपयोग पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि यदि समय रहते नहीं चेते, तो भविष्य में जल संकट गहरा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर श्रीधर ने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए हमें यक्ष प्रश्नों के उत्तर की तरह सक्रियता से जल संरक्षण की दिशा में कदम उठाने होंगे। आईएफएस अरुण कुमार पांडेय ने जल को परमेश्वर बताते हुए कहा कि वृक्ष और नदियां परोपकार की भावना सिखाती हैं। उन्होंने धर्म शास्त्रों का हवाला देते हुए एक वृक्ष को दस पुत्रों से अधिक महत्वपूर्ण बताया। रायपुर के पर्यावरणविद प्रभात मिश्रा ने रायपुर की नदियों और तालाबों के संरक्षण पर बल दिया।

शुभ मुहूर्त में हुआ महावीर स्वामी का पूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणि प्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर धर्म आराधना के साथ ही मानव सेवा जीवदया के कार्य किये जा रहे हैं। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में संवत्सरी महापर्व के अवसर पर आज प्रात: पौषध, स्नात्र व नवांगी पूजन व दोपहर 3 बजे से खरतरगच्छ विधी से संवत्सरी प्रतिक्रमण भैरव सोसायटी होगा। पर्युषण पर्व धर्म आराधना करते हुए प्रात: शुभ मुहूर्त में भगवान महावीर स्वामी का स्नात्र पूजन मेरु पर्वत सदृश्य तिगड़े पर अष्टप्रकारी पूजन सह किया गया।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर संकल्प लिया गया कि वर्षभर जीवदया के कार्य जारी रखा जावेगा। मूक पक्षियों के लिए उच्च क्वालिटी का 500 नग दाना फीडर जैन घरों को देने का लक्ष्य रखा गया है। कोचर ने आगे बताया कि सप्ताह में दो दिन घुमंतू पशुओं गायों सांडों को हरा चारा खिलाने जाएंगे। तीर्थंकर परमात्मा के जन्म के पश्चात सर्वप्रथम इंद्राधिराज भगवान को मेरु पर्वत पर ले जाकर जन्म महोत्सव मनाते हैं। रात्रि सुप्रसिद्ध भजन गायिका शताब्दी व बिटिया ऐषणा ढ़ेलडिया ने प्रभु भक्ति की प्रस्तुति दी , जिसके लाभार्थी पदमचंद पंकज नीलेश गोलछा परिवार ने गायिका का बहुमान किया। दीप्ती बैद व विवेक बैद भाई बहन ने प्रभु भक्ति की गंगा बहाई जिसके लाभार्थी तिलोकचंद शान्तिलाल अशोक कुमार बरडिया परिवार हैं। कल संवत्सरी पर्व के अवसर पर रात्रि क्षमापना प्रभुभक्ति श्रीमती नेहा झाबक व डॉ मोनिका बैद द्वारा प्रस्तुत की जावेगी।

सम्पत्ति कर बकाया न चुकाने पर नगर निगम रायपुर ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के राजस्व विभाग द्वारा आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व यूएस अग्रवाल, उपायुक्त राजस्व डॉ. अंजलि शर्मा के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम के बड़े बकायादारों से राजस्व वसूली अभियान सभी जोनों के राजस्व विभाग द्वारा चलाया जा रहा है।

इसके अंतर्गत नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल और कार्यपालन अभियंता पद्माकर श्रीवास के निर्देश पर जोन सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के नेतृत्व और राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक नन्द कुमार वैष्णव, नरेन्द्र ठाकुर, चंदन रगड़े, खगेश्वर सोनी, रामकुमार अवसर की उपस्थिति में जोन 8 अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को विगत कई वर्षों से सम्पतिकर नहीं दे रहे बड़े बकायादारों को डिमांड बिल, डिमांड नोटिस, अंतिम नोटिस जारी किये जाने के बाद भी वार्ड 1 क्षेत्र के बड़े बकायादार 507308 रुपये के बकायादार प्रितम सिंग, 216428 रुपये के बकायादार अशोक कुमार, विजय कुमार, विनोद कुमार,

136971 रूपये के बकायादार कुलदीप सिंग/ तेजेंदर सिंग, 433396 रुपये के बकायादार हरवंश सिंग/ महेन्द्र सिंग, सुरजीत कौर, जोन 8 अंतर्गत पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 अंतर्गत 87281 रुपये के बकायादार सतगुरु फर्नीचर, 11233 रुपये के बकायादार फैक्ट्री, 43001 रुपये के बकायादार संतोष शर्मा, 34563 रुपये के बकायादार विनोद सिंह, 141069 रुपये के बकायादार राजू साहू (सुपर बाजार) द्वारा डिमांड बिल, डिमांड नोटिस, अंतिम नोटिस जारी किये जाने के बाद भी रायपुर नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को बकाया सम्पतिकर अदा नहीं किये जाने पर सम्बंधित 9 बकायादारों के सम्बंधित 9 व्यवसायिक परिसरों को अभियान चलाकर तत्काल ताला लगाकर सीलबंद कर दिया गया है।

नगर निगम राजस्व विभाग द्वारा नगर निगम रायपुर के सभी बकायादारों से नगर निगम राजस्व विभाग को तत्काल अपना सम्पूर्ण बकाया सम्पतिकर अदा करने की अपील की है। बकाया सम्पतिकर तत्काल नगर निगम राजस्व विभाग को अदा नहीं किये जाने पर डिमांड बिल, डिमांड नोटिस, अंतिम नोटिस के पश्चात बकाया राजस्व वसूली हेतु सम्बंधित बकायादार पर सीलबंदी, कुर्की की कार्यवाही नगर निगम राजस्व विभाग द्वारा की जा सकती है। नगर निगम रायपुर के राजस्व विभाग द्वारा बकाया राजस्व वसूली अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

बैंक ग्राहकों को नहीं दे रहे आरबीआई की ब्याज दर कटौती का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बैंक ग्राहकों को आरबीआई की ब्याज दर कटौती का लाभ नहीं दे रहे हैं। इस मामले को कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने 27 अगस्त को प्रतिनिधिमंडल के साथ छत्तीसगढ़ के वित्तमंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात की और उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया। अमर पारवानी ने वित्त मंत्री श्री चौधरी से आरबीआई की ब्याज दर कटौती का लाभ व्यापार एवं उद्योग वर्ग तक त्वरित पहुंचाने का अनुरोध किया।

अमर पारवानी ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पिछले कुछ महीनों में रेपो रेट में कुल 1 प्रतिशत (100 बेसिस पांइट) की कमी की गई है। रेपा रेट में क्रमश: 0.25 प्रतिशत, 0.25 प्रतिशत एवं 0.50 प्रतिशत की कमी की गई है। इन कदमों का उद्देश्य ऋण लेने की लागत को कम करना था। किन्तु बैंकों ने अब तक इन लाभों को व्यापार एवं उद्योग को ब्याज दरों में कटौती के रूप में पूर्ण लाभ प्रदान नहीं किया है।

श्री पारवानी ने आगे कहा कि नकद आरक्षित अनुपात में 1 प्रतिशत की कमी से बैंकिंग प्रणाली में लगभग 2.50 लाख करोड़ की अतिरिक्त तरलता आई है। जिसके फ्लस्वरूप बैंक को कोष की लागत में भी कमी आई है। इसका उदेद्श्य देश की जीडीपी में ग्रोथ की सोच के साथ किया गया था। जिसका पूर्ण लाभ व्यापार एवं उद्योग को बैंक द्वारा नहीं दिया गया है। इस तरलता का लाभ भी व्यापार एवं उद्योग तक पहुंचना चाहिए था, किंतु ऋण ब्याज दरों में इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने भी पूर्व में बैंकों के साथ हुई बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि नकद आरक्षित अनुपात की दर में कटौती का लाभ शीघ्रता से उद्योग एवं व्यापार जगत तक पहुंचाया जाए, किंतु वर्तमान स्थिति में यह राहत धरातल पर पर्याप्त रूप से दिखाई नहीं दे रही है।

कैट ने श्री चौधरी से अनुरोध किया कि राज्य के बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को पुन: स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं कि वे नकद आरक्षित अनुपात की दर कटौती का लाभ बिना विलंब के व्यापार एवं उद्योग वर्ग तक पहुंचाएं। मंत्री श्री चौधरी ने कैट प्रतिनिधी मंडल को सकरात्मक आश्वासन दिया है प्रतिनिधी मंडल में प्रदेश चेयरमेन मगेलाल मालू, प्रदेश चेयरमेन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश एक्जीक्यूटिव चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, शंकर बजाज, रतनदीप सिंह, नागेन्द्र कुमार तिवारी एवं रौनक पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य जांच और रक्तदान शिविर का आयोजन

रायपुर। बेटर भारत फाउंडेशन एवं माँ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 30 अगस्त 2025 को दावरा विश्वविद्यालय परिसर में एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य की समग्र जांच सुनिश्चित करना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की जाएगी और स्वेच्छा से आए हुए दाताओं से रक्त संग्रह किया जाएगा, जो जीवन बचाने के महत्वपूर्ण कार्य में उपयोगी होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों एवं आम नागरिकों के सहभाग की अपेक्षा है।

परम सुंदरी की चेन्नई एक्सप्रेस से तुलना पर जान्हवी ने तोड़ी चुप्पी

जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने उन दावों का खंडन किया है जिनमें कहा जा रहा है कि उनकी आने वाली फिल्म परम सुंदरी 2013 की हिट फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस से मिलती-जुलती है। मिर्ची प्लस को दिए एक हालिया इंटरव्यू में, दोनों कलाकारों ने कहा कि इस तुलना में सेटिंग, किरदारों और मकसद में मुख्य अंतरों को नजरअंदाज किया गया है। परम सुंदरी बनाम चेन्नई एक्सप्रेस जान्हवी कपूर ने कहा, यह एक हिट फिल्म है, और यह एक प्रतिष्ठित फिल्म है। लेकिन दीपिका ने फिल्म में एक तमिलियन का किरदार निभाया है, और अगर आप सोचें तो यह उन लोगों द्वारा किया जा रहा एक सामान्यीकरण है जो दोनों फिल्मों की तुलना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं फिल्म में केरल से हूँ, और दक्षिण के सभी लोगों को एक साथ नहीं रखा जा सकता। यह पूरी तरह से एक अलग परिवेश है, और ऐसा बिल्कुल नहीं है कि यह कोई दोहराव वाली बात है।

समान फिल्मों के बारे में बात करते हुए, जान्हवी ने कहा, 2 स्टेट्स भी ऐसी ही थी, लेकिन यह चेन्नई एक्सप्रेस से पहले आई थी, और इस तरह की फिल्में हर साल रिलीज नहीं होती हैं। उन्होंने अंत में कहा, वैसे भी लोग हमारी तुलना किसी ऐसी चीज से नहीं कर रहे हैं जिसे भुला दिया जाना चाहिए। चेन्नई एक्सप्रेस एक प्रतिष्ठित फिल्म थी, जिसमें प्रतिष्ठित किरदार और कलाकार थे। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने आगे कहा, हमें इस तुलना से कोई आपत्ति नहीं है, मुझे लगता है कि यह एक तारीफ है। मुझे वह फिल्म बहुत पसंद है, और मैं रोहित शेट्टी की फ़िल्मों का प्रशंसक हूँ। लोग कुछ चीजों को उनसे जुड़ी पुरानी यादों के कारण याद रखते हैं, हालाँकि मुझे नहीं लगता कि दोनों फिल्में एक जैसी हैं। शाहरुख सर ने दिल्ली के किसी लड़के का किरदार नहीं निभाया था, और वे निश्चित रूप से केरल में नहीं थे, और जाह्नवी फिल्म में आधी मलयालम और आधी तमिल की भूमिका निभा रही हैं, लेकिन इससे तुलना होना निश्चित रूप से एक तारीफ है।

परम सुंदरी, चेन्नई एक्सप्रेस से कैसे अलग है, यहाँ देखें तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित यह फिल्म उत्तर-दक्षिण रोमांटिक कॉमेडी पर आधारित है, जिसे निर्माता विशिष्ट क्षेत्रीय पहचानों पर आधारित बताते हैं। जान्हवी का किरदार आंशिक रूप से मलयाली और आंशिक रूप से तमिल है, जबकि सिद्धार्थ का किरदार एक अलग पृष्ठभूमि से लिया गया है। कलाकारों का कहना है कि यह क्षेत्रीय विशिष्टता परम सुंदरी को उत्तर बनाम दक्षिण की व्यापक व्यंग्यात्मक फिल्मों से अलग करती है। फिल्म का उद्देश्य क्लासिक बॉलीवुड रोमांटिक-कॉमेडी के माहौल को पुनर्जीवित करना भी है।

क्या परम सुंदरी रोमांटिक-कॉमेडी को पुनर्जीवित करेगी? सिद्धार्थ ने कहा कि फिल्म पिछली हिट फिल्मों का आकर्षण वापस लाने की उम्मीद करती है। उन्होंने मिर्ची प्लस को बताया, कुछ कुछ होता है, हम तुम और दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे जैसी फिल्में प्रतिष्ठित हैं, और हम उन्हें वापस लाना चाहते हैं। कलाकारों में संजय कपूर, मनजोत सिंह, आकाश दहिया और राजीव खंडेलवाल भी शामिल हैं। परम सुंदरी 29 अगस्त को रिलीज होगी। बॉलीवुड में प्रतिनिधित्व को लेकर जारी बहस के बीच, फिल्म की रिलीज यह भी परखेगी कि दर्शक क्षेत्रीय रूप से विशिष्ट रोमांटिक-कॉमेडी के इस प्रयास को स्वीकार करते हैं या नहीं, साथ ही इसकी तुलना चेन्नई एक्सप्रेस जैसी प्रसिद्ध मुख्यधारा की हिट फिल्मों से भी की जाएगी।

फिल्म 120 बहादुर की हीरोइन बनीं अभिनेत्री राशि खन्ना पहली बार एक्टर फरहान अख्तर के साथ जमेगी जोड़ी

पिछले काफी समय से अभिनेता, निर्देशक और निर्माता फरहान अख्तर फिल्म 120 बहादुर को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म से जुड़ीं अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं इसके जरिए फरहान पर्दे पर धमाकेदार वापसी करने वाले हैं और अब खबर है कि इसमें अभिनेत्री राशि खन्ना को कास्ट कर लिया गया है। ये पहला मौका होगा, जब वह किसी फिल्म में फरहान के साथ नजर आएंगी। आइए जानें फिल्म से जुड़ीं क्या कुछ जानकारियां सामने आई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, राशि को ये फिल्म पिछली फिल्मों में उनकी शानदार अदाकारी के बलबूते मिली है। पिछली बार विक्रांत मैसी अभिनीत द साबरमती रिपोर्ट में उन्होंने दिल जीत लिए थे। इससे पहले आई फिल्म योद्धा में भी राशि ने कमाल का काम किया था। निर्माताओं को पूरा यकीन है कि राशि एक देशभक्ति और दिल छू लेने वाली इस फिल्म की कहानी और अपने किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगी। राशि इस कहानी में और गहराई लेकर आएगी।

राशि इस फिल्म में फरहान की जोड़ीदार बनी हैं और वह इससे जुड़कर बेहद उत्साहित हैं, लेकिन उनकी भूमिका को लेकर कोई जानकारी बाहर नहीं आई है। पिछले दिनों सुनने में आया था कि रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित इस फिल्म में अपनी भूमिका की तैयारी के लिए फरहान ने खुद को पूरी तरह झोंक दिया है। इसमें वह देश के लिए बलिदान देने वाले मेजर शैतान सिंह की भूमिका में नजर आएंगे।

120 बहादुर उस बहादुरी की कहानी दिखाएगी, जब 120 भारतीय जवानों ने हजारों दुश्मनों का सामना करते हुए लद्दाख की रक्षा की थी। इस फिल्म की शूटिंग 14,000 फीट की ऊंचाई पर हुई, जहां तापमान अक्सर माइनस 5 से माइनस 10 डिग्री तक पहुंच जाता था। फरहान ने कहानी को जीवंत करने के लिए शारीरिक और मानसिक हर स्तर पर मेहनत की है। रजनीश घई के निर्देशन में बनी यह फिल्म 21 नवंबर, 2025 में सिनेमाघरों में आएगी।

राशि साउथ और हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं, वहीं ओटीटी पर भी सक्रिय हैं। फिल्म मद्रास कैफे से राशि ने बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आईं। इस फिल्म में अपनी सादगी और गंभीरता से उन्होंने अपनी जगह पक्की करने की कोशिश की। 34 साल की राशि को एक ओर जहां शाहिद कपूर के साथ वेब सीरीज फर्जी में देखा गया, वहीं रूद्र में वह अजय देवगन के साथ नजर आईं।

सपना चौधरी का 'लाल साड़ी' लुक सोशल मीडिया पर छाया

इन दिनों फैशन की दुनिया में लाल साड़ी एक बार फिर ट्रेंड में आ गई है। सोशल मीडिया पर लगातार इसका क्रेज देखा जा रहा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हाल ही में 'लाल कलर की साड़ी' गाने में नजर आई थीं, जिसने इंटरनेट पर खूब धमाल मचाया। इस गाने के बाद से ही रेड साड़ी का क्रेज और भी बढ़ गया है। अब हर कोई इस लुक को अपना रहा है। आम लड़कियों से लेकर फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री की बड़ी हस्तियों तक, हर कोई इस ट्रेंड को फॉलो करता नजर आ रहा है। इसी कड़ी में हरियाणवी क्वीन सपना चौधरी भी शामिल हो गई हैं। सपना ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह लाल साड़ी पहनकर बेहद खास अंदाज में नजर आ रही हैं।

वीडियो में सपना चौधरी की लाल साड़ी यूं तो दिखने में बेहद साधारण है, लेकिन इसके पल्लू में सफेद रंग के हार्ट शेप के झालर लटकते हुए नजर आ रहे हैं, जो इसे खास बनाते हैं। साड़ी का ये डिजाइन सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। यही नहीं, सपना ने इसके साथ जो ब्लाउज पहना है, वह भी काफी स्टाइलिश है। रेड और वाइट कलर के इस ब्लाउज में कॉलर पूरी तरह से लाल रंग का है और पूरे ब्लाउज पर छोटे-छोटे दिल के शेप बने हुए हैं। इस लुक को पूरा करने के लिए सपना ने अपने बालों का खूबसूरत सा जूड़ा बनाया है, कानों में स्टाइलिश ईयररिंग्स पहने हैं और माथे पर एक छोटी सी बिंदी लगाई है, जो उनके पारंपरिक लुक में चार चांद लगा रही है।

अपनी इस वीडियो में उन्होंने अपना ही नया गाना 'सुथरी' का इस्तेमाल किया। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए सपना ने लिखा, लाल साड़ी में एक शान, हर कदम पर एक कहानी। बता दें कि हरियाणवी गाना 'सुथरी' को सोमवीर कथूरवाल ने गाया है। इस गाने में सपना चौधरी और यश बैला की जोड़ी है, जो कि हरियाणवी म्यूजिक लवर्स के बीच काफी लोकप्रिय है। गाने के बोल नवीन विशु बाबा ने लिखे हैं, जबकि इसका म्यूजिक आरके क्रू ने तैयार किया है। गाने का डायरेक्शन साहिल संधू ने किया है और यह गाना देसी गीत म्यूजिक लेबल के बैनर तले रिलीज हुआ है।

आलिया भट्ट ने अपने और रणबीर कपूर के 250 करोड़ रुपये के बंगले के वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया

कुछ दिन पहले ही, एक फैन पेज ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के आलीशान नए घर का एक वीडियो शेयर किया था, जो पिछले कुछ सालों से निर्माणाधीन है। लगभग बनकर तैयार इस बंगले ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। लेकिन वायरल हो रहे इस नए वीडियो में उनके नए बंगले के अंदरूनी हिस्से की भी झलक दिखाई गई है, और यह बात आलिया को पसंद नहीं आई। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस वीडियो की कड़ी आलोचना की और लोगों से इसे आगे फॉरवर्ड न करने का अनुरोध किया।

आलिया भट्ट ने अपने नए घर के वीडियो शेयर न करने का अनुरोध किया अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर आलिया भट्ट ने एक लंबा नोट शेयर किया, जिससे साफ जाहिर होता है कि वह अपने नए घर के वीडियो के वायरल होने से खुश नहीं हैं। मैं समझती हूँ कि मुंबई जैसे शहर में जगह कम होती है - कभी-कभी आपकी खिड़की से किसी और के घर का नजारा दिखता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि किसी को निजी घरों की तस्वीरें लेने और उन वीडियो को ऑनलाइन डालने का हक मिल जाए।

उन्होंने आगे लिखा कि उनके घर का एक वीडियो कई प्रकाशनों द्वारा उनकी जानकारी या सहमति के बिना सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है, और इसे निजता का हनन और एक गंभीर सुरक्षा मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति के किसी के निजी स्थान का वीडियो बनाना या उसकी तस्वीरें लेना सामग्री नहीं माना जाता और यह उल्लंघन है, और इसे कभी भी सामान्य नहीं माना जाना चाहिए। भट्ट ने यह भी कहा, जरा सोचिए: क्या आप अपने घर के अंदर के वीडियो को बिना आपकी जानकारी के सार्वजनिक रूप से साझा किए जाने को बर्दाश्त करेंगे? हममें से कोई भी ऐसा नहीं करेगा। इसलिए एक विनम्र लेकिन दृढ़ अनुरोध है: अगर आपको ऑनलाइन ऐसी कोई सामग्री मिलती है, तो कृपया उसे फॉरवर्ड या आगे शेयर न करें। और मीडिया के हमारे उन दोस्तों से, जिन्होंने ये तस्वीरें और वीडियो प्रकाशित किए हैं: मैं आपसे आग्रह करती हूँ कि इन्हें तुरंत हटा दें।

त्वचा पर कोजिक एसिड इस्तेमाल करने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

त्वचा की देखभाल के लिए विभिन्न प्रकार के उत्पाद इस्तेमाल किए जाते हैं, जो उसे स्वस्थ बनाए रखने में योगदान देते हैं। इन उत्पादों में कोजिक एसिड का नाम भी शामिल होता है, जिसकी ज्यादा चर्चा नहीं की जाती। यह कई प्रकार के कवकों से प्राकृतिक रूप से प्राप्त यौगिक होता है। इसका उपयोग करने से त्वचा में निखार आता है और रंजकता से छुटकारा मिलता है। हालांकि, कोजिक एसिड लगाने से पहले आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कोजिक एसिड से पहले जरूर लगाएं सनस्क्रीन

कोजिक एसिड एक ऐसा पदार्थ है, जो मेलेनिन को कम करने में सक्षम होता है। यह त्वचा की रंगत के लिए जिम्मेदार यौगिक होता है, जिसके कम होने पर त्वचा में निखार आ जाता है। हालांकि, मेलेनिन घटने पर त्वचा संवेदनशील भी हो जाती है और सूरज की किरणें उसे ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसीलिए, कोजिक एसिड लगाने से पहले आपको सनस्क्रीन जरूर इस्तेमाल करनी चाहिए। एक अच्छी गुणवत्ता वाली और 50 स्क्न्न वाली सनस्क्रीन लगाएं।

पहले कर लें पैच टेस्ट

कोजिक एसिड एक तरह का सक्रिय घटक होता है, जो हर किसी के लिए सुविधाजनक नहीं होता। कुछ लोगों को इसके इस्तेमाल से जलन हो सकती है या उनकी त्वचा लाल पड़ सकती है। खास तौर से संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को ये परेशानियां होने का ज्यादा खतरा रहता है। इनसे बचने के लिए पहले पैच टेस्ट करके देख लें। हाथ पर थोड़ा-सा कोजिक एसिड लगाएं

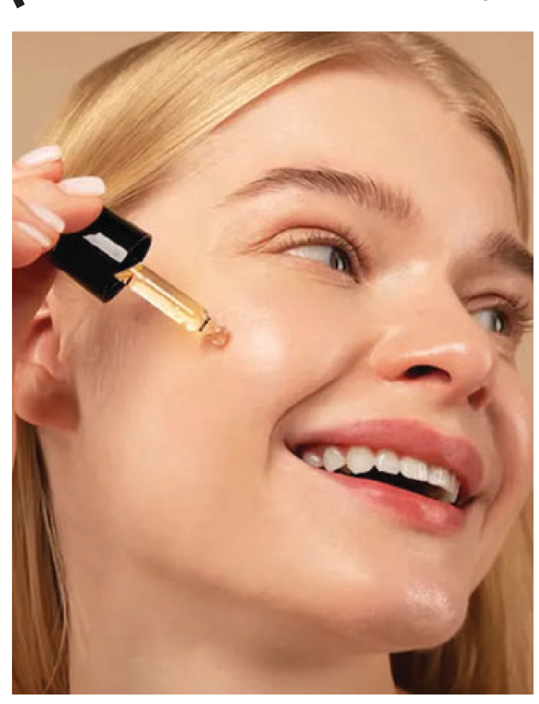

और कुछ घंटे इंतजार करके देखें कि उसका क्या असर होता है।

कम मात्रा से करें शुरुआत

कोजिक एसिड एक शक्तिशाली उत्पाद होता है, जिसे शुरुआत में ज्यादा नहीं लगाना चाहिए। आपको इसे धीरे-धीरे त्वचा की देखभाल का हिस्सा बनाना चाहिए और त्वचा को इससे परिचित होने का समय देना चाहिए। शुरुआत में इसे कम उपयोग करने से आपकी त्वचा को सहनशीलता विकसित करने में मदद मिलेगी और जलन का खतरा कम होगा। पहले इसे हफ्ते में केवल 2 बार लगाएं और धीरे-धीरे करके मात्रा बढ़ा दें।

ये अन्य उत्पादों का उपयोग करने से बचें

कई लोग कोजिक एसिड को अन्य सक्रीय घटकों के साथ इस्तेमाल करने की गलती कर बैठते हैं। ऐसा करने से त्वचा की सुरक्षात्मक परत को नुकसान पहुंचता है और जलन का खतरा बढ़ता है। आपको कोजिक एसिड के साथ रेटिनोइड्स और ग्लाइकोलिक एसिड जैसे अन्य शक्तिशाली उत्पाद लगाने से बचना चाहिए। इसके साथ सौम्य उत्पादों का ही प्रयोग करें। जब तक किसी पेशेवर द्वारा न सुझाया जाए तब तक एक साथ कई कठोर सक्रिय उत्पादों का उपयोग करने से बचें।

मॉइस्चराइजर का जरूर करें इस्तेमाल

कोजिक एसिड का इस्तेमाल करने के बाद ज्यादातर लोगों की त्वचा शुष्क हो जाती है और फटने लगती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आप इसे लगाने के तुरंत बाद मॉइस्चराइजर इस्तेमाल कर लें। एक अच्छा मॉइस्चराइजर आपकी त्वचा को हाइड्रेटेड रखने में मदद करेगा और संभावित जलन को भी कम करेगा। साथ ही इससे त्वचा के फटने की संभावना कम हो जाएगी और नमी बनाए रखने में मदद मिल सकेगी।

अपने नींद के लिए अपनाएं ये अच्छी आदतें, जरुर होगा फायदा

अच्छी नींद से न केवल दिनभर की ताजगी मिलती है, बल्कि इससे मानसिक और शारीरिक सेहत भी बेहतर होती है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में सही समय पर सोना और जागना बहुत जरूरी हो गया है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार सुझाव देंगे, जिनसे आप रात को सोने से पहले कुछ आदतें बना सकते हैं और अच्छी नींद पा सकते हैं। इन आदतों को अपनाकर आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं।

नियमित समय पर सोने जाएं

रात को सोने का एक तय समय निर्धारित करें और उसे रोजाना फॉलो करें। इससे आपकी शरीर की आंतरिक घड़ी सेट हो जाएगी और आपको जल्दी नींद आने लगेगी। उदाहरण के लिए अगर आप रात 10 बजे सोने जाते हैं तो उसी समय पर बिस्तर पर जाएं और मोबाइल या टीवी देखने से बचें। इस आदत से आपका शरीर नियमित रूप से आराम करेगा और सुबह ताजगी महसूस होगी।

स्क्रीन टाइम कम करें

सोने से पहले मोबाइल, लैपटॉप या टीवी का उपयोग करना आपकी नींद को प्रभावित कर सकता है। इन उपकरणों की नीली रोशनी आपके दिमाग को जगाए रखती है, जिससे आपको नींद नहीं आती। कोशिश करें कि सोने से कम से कम एक घंटे पहले इन सभी उपकरणों का उपयोग न करें। इसके बजाय किताब पढ़ें या हल्का संगीत सुनें, जिससे आपकी आंखें आराम करें और नींद आने में मदद मिलेगी।

हल्का खाना खाएं

रात को सोने से पहले भारी खाना खाने से पाचन क्रिया पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे नींद में खलल पड़ता है। इसलिए रात का खाना हल्का और पौष्टिक होना चाहिए जैसे कि सलाद, दही या सूप आदि। इससे आपका पाचन तंत्र सही रहेगा और आपको अच्छी नींद मिलेगी। इसके अलावा सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीना भी फायदेमंद हो सकता है, जिससे आपकी मांसपेशियां आराम करेंगी और नींद अच्छी आएगी।

ध्यान लगाए या मेडिटेशन करें

सोने से पहले ध्यान लगाना या मेडिटेशन करना आपके मन को शांत करता है और तनाव कम करता है। यह प्रक्रिया आपकी मानसिक स्थिति को बेहतर बनाती है, जिससे नींद जल्दी आती है। आप चाहें तो हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे मांसपेशियां आराम करेंगी। इसके अलावा आप सोने से पहले कुछ गहरी सांस लेने की तकनीक भी अपना सकते हैं, जिससे आपका मन शांत रहेगा और नींद अच्छी आएगी।

आरामदायक माहौल बनाएं

आपका सोने का कमरा साफ-सुथरा होना चाहिए और उसमें अंधेरा होना जरूरी है ताकि बाहरी शोर या रोशनी आपको परेशान न करें। कमरे का तापमान भी सही होना चाहिए, न ज्यादा गर्म न ही ज्यादा ठंडा। इसके अलावा बिस्तर का गद्दा और तकिया आरामदायक होना चाहिए ताकि आपको किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस तरह से इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अच्छी नींद पा सकते हैं और अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं।

कथा के चौथे दिन कृष्ण की बाल सुलभ लीलाओं से झूम उठे श्रोतागण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पितृमोक्षार्थ गयाश्राद्धांतर्गत मातनहेलिया परिवार द्वारा जश्न रिसोर्ट कोरबा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चैथे दिन कथा वाचक पंडित विजय शंकर मेहता ने गजेंद्रमोक्ष, समुद्र मंथन, वामन अवतार, श्रीराम एवं श्रीकृष्ण की बाल सुलभ लीलाओं से लेकर सिंहासन प्राप्ति की कथा सुनाई। कथा वाचक पंडित मेहता ने कृष्ण-यशोदा का प्रसहन सुनाते हुए भगवान कृष्ण की बाल सुलभ लीलाओं का ऐसा वर्णन किया कि श्रोतागण झूम उठे।

उन्होंने कहा कि जब भगवान कृष्ण दोपहर 12.00 बजे अवतार लिए और मां देवकी की कोख से बाहर आए और उनकी गोदी में आए तो यह दृश्य मां के लिए स्वर्ग से कम नहीं होता। जब कृष्ण ने बाल सुलभ लीला की तो मां के जीवन का वह आनंद, जिसे शब्दों में बखान नहीं किया जा सकता, सिर्फ अनुभूति होती है। देवकी ने कृष्ण को जन्म दिया, लेकिन कृष्ण की बाल सुलभ लीलाओं का पूरा आनंद यशोदा मैय्या ने लिया। जब बच्चा मां का स्तनपान करता है और दूसरे स्तन को लात मारता है, तो यह आनंद मां के लिए अद्भूत और अनंत होता है। मां और पुत्र के बीच के वात्सल्य से परमानंद की अनुभूति दोनों को होती है। उन्होंने कहा दुनिया में मां से बड़कर कोई नहीं-मां ही होती है, जो लात खाकर भी बच्चों को भोजन देती है, इसलिए मां को कभी आघात नहीं पहुंचाना, क्योंकि जब मां आहत होती है तो घायल भगवान होते हैं। मां-बाप की सेवा करना सौभाग्य की बात होती है।

राम और कृष्ण दो आयाम हैं, इनके बिना सनातन धर्म संभव नहीं

शुकदेव जब परीक्षित को कथा सुना रहे थे, तो उन्होंने पहले रामकथा सुनाई और कहा कि भगवान राम आदर्श के प्रतीक हैं और कृष्ण जीवन में आनंद घोलने वाले हैं। एक जीवन को मर्यादा सिखाते हैं, तो दूजा जीवन में प्रेम भरना सिखाते हैं। एक महेल से जंगल की ओर जा कर नई ऊंचाईयों को छूआ, तो दूजा जंगल से महल जा कर ऊंचाईयों को छूआ और हमारे लिए जीवन के आदर्श और प्रेम दे गए। दोनों बहुआयामी थे।

हमारा पूरा जीवन समुद्र मंथन की तरह है

कथा वाचक पंडित विजय शंकर मेहता ने कहा कि हमारा पूरा जीवन समुद्र मंथन की तरह है और सफलता-असफलता के बीच मंथन होते रहता है। उन्होंने कहा कि सफलता बिना संघर्ष के नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि अपने भक्तों को बचाने आज भी भगवान किसी न किसी रूप में हमारी मदद करते हैं, इसलिए आस्था और भरोसा को कभी न त्यागें।

भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव पर जमकर झूमे श्रोतागण

आज चैथे दिन भगवान कृष्ण ने कथा में अवतार लिया और आयोजकगणों ने मंच पर भगवान कृष्ण की अद्भूत झांकी का प्रदर्शन किया। भगवत कथा में आज शाम जैसे ही 6 बजकर 20 मिनट हुए, भगवान कृष्ण का अवतार हुआ और कृष्ण जन्म होते ही चारों तरफ उल्लास और उमंग से भर गया। कथा स्थल के बाहर परिसर में आतिशबाजी हुई, तो परिसर के अंदर फूलों की बारिश हुई। झांकी में आए बालकृष्ण को देखने सभी लालायित दिखे और भगवान कृष्ण की आरती हुई। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने कृष्ण के रूप में काफी आकर्षित लग रहे थे। मटके फोड़े, मक्खन खाया और बाल सुलभ मस्ती भी की, इसे देखकर श्रोता झूमने लगे।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल से कामारीमा गांव में बहाल हुई बिजली आपूर्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल पर जशपुर जिले के विकासखंड बगीचा के ग्राम कामारीमा के वार्ड क्रमांक 11 (नागेशिया पारा) में खराब ट्रांसफार्मर के कारण ठप पड़ी बिजली आपूर्ति पुनः शुरू हो गई है। इससे लंबे समय से बिजली संकट का सामना कर रहे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कामारीमा के वार्ड क्रमांक 11 में अधिकांश आबादी विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की है। यहां के ग्रामीणों ने कैंप कार्यालय को बताया था कि ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे बरसात के दिनों में विषैले जीव-जंतुओं का खतरा और अन्य परेशानियां बढ़ गई थीं। शिकायत मिलते ही कैंप कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विद्युत विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। विभाग ने नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा बगीचा में स्थापित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय जनसमस्याओं के समाधान का केंद्र बना हुआ है। यहां विशेषकर बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से संबंधित शिकायतों पर प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जा रही है।

कैट ने वित्तमंत्री चौधरी से मुलाकात कर आरबीआई की ब्याज दर कटौती का लाभ व्यापार एवं उद्योग वर्ग तक त्वरित पहुंचाने हेतु अनुरोध किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमेन मगेलाल मालू, प्रदेश चेयरमेन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश एक्जीक्यूटिव चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि अमर पारवानी के नेतृत्व में कैट का प्रतिनिधी मंडल ने वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी से मुलाकात कर आरबीआई की ब्याज दर कटौती का लाभ व्यापार एवं उद्योग वर्ग तक त्वरित पहुँचाने हेतु अनुरोध किया।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी ने बताया कि माननीय वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी से मुलाकात कर पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा पिछले कुछ महीनों में रेपो रेट में कुल 1 प्रतिशत (100 बेसिस पांइट) की कमी की गई है, जो कि क्रमशः 0.25 प्रतिशत, 0.25 प्रतिशत एवं 0.50 प्रतिशत की रेपो रेट में कमी की है। इन कदमों का उद्देश्य ऋण लेने की लागत को कम करना था। किन्तु बैंकों ने अब तक इन लाभों को व्यापार एवं उद्योग को ब्याज दरों में कटौती के रूप में पूर्ण लाभ प्रदान नहीं किया गया है।

श्री पारवानी ने आगे कहा कि नकद आरक्षित अनुपात (ब्त्) में 1 प्रतिशत की कमी से बैंकिंग प्रणाली में लगभग 2.50 लाख करोड़ की अतिरिक्त तरलता आई है। जिसके फलस्वरूप बैंक को कोष की लागत में भी कमी आई है। इसका उदेद्श्य देश की जीडीपी में ग्रोथ की सोच के साथ किया गया था। जिसका पूर्ण लाभ व्यापार एवं उद्योग को बैंक द्वारा नहीं दिया गया है। इस तरलता का लाभ भी व्यापार एवं उद्योग तक पहुँचना चाहिए था, किंतु ऋण ब्याज दरों में इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। केन्द्रीय वित्त मंत्री ने भी पूर्व में बैंकों के साथ हुई बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि त्ठप् की दर कटौती का लाभ शीघ्रता से उद्योग एवं व्यापार जगत तक पहुँचाया जाए, किंतु वर्तमान स्थिति में यह राहत धरातल पर पर्याप्त रूप से दिखाई नहीं दे रही है। कैट ने माननीय मंत्री जी से अनुरोध किया कि राज्य के बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को पुनः स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएँ कि वे त्ठप् की दर कटौती का लाभ बिना विलंब के व्यापार एवं उद्योग वर्ग तक पहुँचाएँ। हमें विश्वास है कि आपके त्वरित हस्तक्षेप से न केवल व्यापारी वर्ग को राहत मिलेगी, बल्कि प्रदेश की जीडीपी, व्यापार विस्तार एवं रोजगार सृजन में भी तेजी आएगी।

मंत्री चौधरी ने पत्र का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया और कैट प्रतिनिधी मंडल को सकरात्मक आस्वासन दिया। मंत्री जी से मुलाकात में कैट एवं युवा कैट के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे .अमर पारवानी, शंकर बजाज, रतनदीप सिंह, नागेन्द्र कुमार तिवारी एवं रौनक पटेल।

एकलव्य खेल अकादमी के ताइक्कांडो खिलाड़ियों का नेशनल में चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले में खेलों को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से संचालित एकलव्य खेल अकादमी बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारने का केंद्र बनी हुई है। यहां चयनित खिलाड़ियों को विभिन्न खेल विधाओं का नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप जिले के बच्चे राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

खेल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा ने बताया कि ताइक्कांडो विधा में बच्चों को प्रशिक्षक नंदलाल यादव के मार्गदर्शन में लगातार अभ्यास कराया जा रहा है। इसी कड़ी में 22 से 24 अगस्त 2025 तक अंबिकापुर में आयोजित 21वीं राज्य स्तरीय ताइक्कांडो चौंपियनशिप में जशपुर जिले की अकादमी के 08 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अकादमी के 07 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर नेशनल स्तर के लिए क्वालीफाई किया है। इनमें मनीष भगत, शिवराज बंजारा, अजय कुमार चौहान, भारत पैंकरा, राकेश राम, अर्जुन राम और करण राम शामिल हैं। वहीं साहिल एक्का ने कांस्य पदक हासिल कर जिले का मान बढ़ाया।

अब यह सभी खिलाड़ी आगामी दिनों में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षक और अकादमी से जुड़े सभी लोगों को बधाई व शुभकामनाएं दी गई हैं।

चिड़ोरा की तारा बाई स्व-सहायता समूह से बनी आत्मनिर्भर

बीसी सखी बनकर गांवों तक पहुँचा रही बैंकिंग सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य लगातार जारी है। ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत महिलाओं को समूहों में संगठित कर उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे रोजगारोन्मुखी कार्य शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकें।

इसी कड़ी में जशपुर जिले के विकासखंड कांसाबेल के छोटे से ग्राम चिड़ोरा की तारा बाई ने प्रज्ञा स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। समूह सहेली ग्राम संगठन से जुड़ने के बाद उन्होंने बीसी सखी का कार्य शुरू किया। चिड़ोरा गांव मुख्य मार्ग से न जुड़ा होने के कारण ग्रामीणों को बैंकिंग लेन-देन के लिए कांसाबेल तक जाना पड़ता था। लेकिन तारा बाई ने बैंकिंग सेवाएं गांव तक पहुँचाकर ग्रामीणों की सच्ची सखी बनने का काम किया है।

आज गांव के लोगों को वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मनरेगा मजदूरी भुगतान, स्वयं सहायता समूहों की राशि का लेन-देन और अन्य बैंकिंग सुविधाओं के लिए अब बैंक शाखा तक नहीं जाना पड़ता।

ये सभी सेवाएं तारा बाई के माध्यम से गांव में ही उपलब्ध हो रही हैं। तारा बाई बताती हैं कि अब तक वे प्रतिमाह 50 से 60 लाख रुपये का लेन-देन कर रही हैं और इसके माध्यम से उन्हें 8 से 9 हजार रुपये मासिक आय हो रही है। इस आय से वे न केवल अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी बन गई हैं।

पार्वती पटेल का एक कच्चे घर से पक्के घर तक का सफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उठाकर हितग्राही अपने पक्के घर का सपना साकार कर रहे हैं। ऐसी ही एक हितग्राही नारायणपुर जिले की निवासी पार्वती पटेल अपने परिवार के साथ वर्षों से एक कच्चे मकान में रह रही थीं। बरसात के मौसम में टपकती छत और मिट्टी की दीवारें उनके जीवन की रोजमर्रा की कठिनाइयों को और बढ़ा देती थीं। पार्वती की आय का एकमात्र स्रोत सब्जी बेचने का छोटा व्यवसाय था, जिससे परिवार का गुज़ारा मुश्किल से हो पाता था।

आर्थिक तंगी के चलते वे कभी भी पक्का घर बनवाने की सोच नहीं सकीं। लेकिन 2023 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हुई पहली कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 18 लाख मकानों को स्वीकृति दी गई। इसी के तहत् मोर जमीन मोर मकान अभियान शुरू किया गया, जो पार्वती के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया।

नगरपालिका परिषद कार्यालय की सक्रिय भूमिका से उन्हें योजना में पंजीकृत किया गया। योजना के तहत केंद्रांश, राज्यांश और हितग्राही अंशदान के माध्यम से मकान निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया सरल और पारदर्शी रही। कुछ ही महीनों में उनका पक्का मकान बनकर तैयार हो गया। आज पार्वती पटेल अपने परिवार के साथ अपने नए पक्के घर में सुरक्षित, ससम्मान और खुशी-खुशी जीवन व्यतीत कर रही हैं। अब उन्हें बरसात का डर नहीं है, वे आत्मविश्वास से पक्के मकान में खुशी-खुशी परिवार के साथ निवास कर रही हैं।

पार्वती बताती हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना हमारे जैसे गरीबों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह योजना हमें सिर्फ छत ही नहीं देती, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा की भावना भी देती है। मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की आभारी हूँ, जिन्होंने हमारे सपनों को साकार किया है।

चिरमिरी नगर निगम में कचरा प्रबंधन हेतु 6.26 करोड़ की परियोजना मंजूर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव के प्रयासों से स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की 8वीं बैठक में चिरमिरी नगर पालिक निगम क्षेत्र में सूखे और गीले कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए आधुनिक संयंत्र स्थापित करने तथा संयंत्रों के उन्नयन एवं विकास की योजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर कुल 6 करोड़ 26 लाख 27 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे।

स्वीकृत परियोजना के तहत सूखे कचरे के लिए उन्नयन एवं विकास हेतु 12 एमआरएफ प्लांट तथा गीले कचरे हेतु 12 नवीन विंड्रो कंपोस्ट प्लांट की स्थापना की जाएगी। संयंत्र निर्माण, उपकरण लागत और अतिरिक्त कार्यों को मिलाकर परियोजना की कुल लागत 4 करोड़ 51 लाख रुपए होगी, जबकि पांच साल के संचालन व संधारण पर 1 करोड़ 75 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस बड़ी पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव का क्षेत्र की जनता की तरफसे आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि इस परियोजना के जरिए चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में कचरा निस्तारण और रीसाइक्लिंग को नई दिशा मिलेगी।

खास खबर

अवैध शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। धरसींवा और खरोरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो कोचियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 65 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार धरसींवा पुलिस ने सिलतरा चौक स्थित राकेश धर्मकांटा के पास अवैध शराब के पास से आरोपी पवन पारधी 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 48 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं खरोरा पुलिस ने छड़िया खरोरा मार्ग के पास अवैध शराब के साथ आरोपी चंद्रशेखर बांधे 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 17 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

अधिक मुनाफा कमाने का झांसा देकर अधेड़ से 15 लाख 29 हजार की ठगी

रायपुर। घर बैठे पैसा कमाने का झांसा देकर 15 लाख 29 हजार की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी केयूरी मजीठिया 54 वर्ष ऋष्टि गार्डन के पास तेलीबांधा का रहने वाला है। प्रार्थी ने तेलीबांधा थाना में शिकायत किया कि वह घर बैठे 1000 से 1500 रुपए कमाने का विज्ञापन देखकर उसमें दिए हुए मोबाइल नंबर 75879-43526 में कॉल किया। उक्त व्यक्ति ने प्रार्थी को झांसे में लेकर अपने खाता में 15 लाख 29 हजार 517 रुपए जमा करा लिया और संपर्क तोड़ दिया। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के दौरान एसईसीएल कर्मचारी हुआ ठगी का शिकार

कोरबा। जिले के दीपका थाना अंतर्गत गेवरा क्षेत्र में पदस्थ एक एसईसीएल कर्मी ने पत्नी के इलाज के लिए बिलासपुर के एक चिकित्सालय में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने गूगल पर नंबर सर्च किया। थोड़ी देर बाद कॉल आया और डिटेल भरने के बहाने लिंक भेजकर खाता से 90 हजार रुपए पार कर दिया गया। घटना प्रगति नगर कॉलोनी निवासी गेवरा क्षेत्र में पदस्थ एक एसईसीएल कर्मी के साथ घटित हुई। जो अपनी पत्नी का इलाज कराने बिलासपुर के एक चिकित्सालय में जाने वाले थे। जिसके लिए उन्होंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर अस्पताल में लगने वाली लंबी कतार से राहत पाने के लिए गूगल पर वहां के चिकित्सक का नंबर सर्च किया। थोड़ी देर में उनके मोबाइल पर कॉल आ गया। दूसरी ओर से युवती ने खुद को उस अस्पताल की रिसेप्शनिस्ट बताते हुए बात की। उसने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए नाम-पता सहित अन्य जानकारी भरने की बात कहते हुए एक लिंक भेज दिया। एसईसीएल कर्मी ने चिकित्सालय से कॉल आने की सोचकर उसमें बताया गया पूरा ब्यौरा व सबमिट करने पर आया ओटीपी नंबर भी भर दिया। 2 दिन बाद उसके बैंक खाता से 90 हजार रुपए पार हो गया। ऑनलाइन ठगी होने का पता चलने पर उक्त व्यक्ति ने स्थानीय पुलिस व साइबर सेल से संपर्क करके शिकायत दर्ज की। पुलिस ने जांच-पड़ताल की तो उक्त रकम का ट्रांसफर कोलकाता स्थित एचडीएफसी बैंक के खाते में करने का पता चला। जानकारी जुटाने पर उक्त खाता कोलकाता निवासी किसी जुबेर शेख के नाम से होना पाया गया। खाता धारक के पते पर पुलिस टीम पहुंची तो वहां उक्त नाम का कोई व्यक्ति नहीं मिला। मामले में पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

सर्पदंश की शिकार युवती की उपचार के दौरान हुई मृत्यु

कोरबा। जिले में दर्री थाना क्षेत्र अंतर्गत अटल आवास, साडा कॉलोनी में सर्पदंश की शिकार युवती की उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी हैं। मृतका की पहचान करिश्मा खैरवार के रूप में की गयी हैं। उक्त घटित घटना के समय वह अपनी माँ के साथ बिस्तर पर सो रही थी। उसी दौरान एक जहरीले करैत सांप ने उसे डस लिया। सांप के काटने का एहसास होते ही करिश्मा ने अपनी माँ को जगाया और बताया कि उसे किसी चीज ने काट लिया है। इसके बाद उन्होंने देखा कि एक सांप बिस्तर के चारों ओर घूम रहा था।

दुर्ग पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाई, पत्नी और प्रेमी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक महिला ने बॉयफ्रेंड से अपने पति की हत्या करवा दी। दोनों के बीच पिछले 25 साल से अफेयर था। पति बेरोजगार था और शराब के नशे का आदी था। वह अक्सर घर पर रहता था। महिला की बॉयफ्रेंड से मुलाकात नहीं हो पा रही थी। इसलिए महिला ने पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

आरोपियों ने सबूत छुपाने के इरादे से हत्या वाली जगह को घर से 15 किलोमीटर दूर चुना। बॉयफ्रेंड महिला के पति को शराब पिलाने के बहाने उसे सुनसान जगह पर ले गया। फिर पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। गर्लफ्रेंड को फोन कर कहा- काम हो गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला पुलगांव थाना क्षेत्र का है।

पूरा मामला

24 अगस्त 2025 को दुर्ग के नगपुरा इलाके के आंवला बाड़ी में एक व्यक्ति का शव मिला, जिसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। पुलिस ने उसकी पहचान के लिए फोटो वायरल किए। थोड़ी देर बाद एक महिला अंजनी ठाकुर (44) पुलिस के पास आई और शव की पहचान अपने पति धनेश ठाकुर (45) के रूप में की।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया कि मौत सिर पर किसी भारी चीज से वार करने की वजह से हुई थी। पुलिस ने तुरंत हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की।

अफेयर बना हत्या की वजह

जांच में पुलिस को पता चला कि अंजनी ठाकुर का अफेयर हरपाल सिंह उर्फछोटू (45) नाम के व्यक्ति से पिछले 25 सालों से चल रहा था। हरपाल अक्सर उसके घर आता-जाता था। संदेह के आधार पर हरपाल से पूछताछ की गई, जिसमें उसने 25 साल पुराने अफेयर की बात स्वीकार की। हरपाल ने बताया कि अंजनी का पति धनेश शराब का आदी था, जो बेरोजगार भी था और आए दिन पैसे मांगकर पत्नी से झगड़ा करता था। वह घर से बाहर नहीं निकलता था, जिससे अंजनी और हरपाल के बीच मुलाकात मुश्किल हो गई थी। इसी वजह से धनेश की हत्या की साजिश रची।

शक के आधार पर आरोपी पकड़ाया

पुलिस ने जांच तेज की और शक के आधार पर हरपाल को पूछताछ के लिए बुलाया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल लिया। इसके बाद पुलिस ने हरपाल और अंजनी दोनों को गिरफ्तार कर किया है।

जानिए कैसे हुई हत्या

22 अगस्त को सुबह 11 बजे, हरपाल ने अंजनी के एक्टिवा स्कूटर से धनेश को शराब पिलाने के बहाने नगपुरा के एक सुनसान बगीचे में ले गया। वहां उसे शराब पिलाई, जब वह नशे में बेसुध हो गया तो उसके सिर पर पत्थर मारकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद हरपाल ने अंजनी को फोन कर बताया कि काम हो गया और वह घर लौट आया। घटनास्थल को जानबूझकर दूर चुना गया ताकि कोई संदेह न हो।

कर्कश हॉर्नः तीन सवारी वाले मामलों में पुलिस की सख्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पुलिस ने दुपहिया चालकों को सतर्क किया है कि उन्हें ट्रिपल राइडिंग के साथ-साथ मॉडिफाई साइलेंसर और इसके जरिए निकल जाने वाली कर्कश ध्वनि से बचना होगा। उनकी अवांछित हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगे और बेहतर सबक सिखाया जाएगा।

पुलिस के द्वारा ऐसे मामलों में पहले भी कार्रवाई की जाती रही है और गणेश उत्सव सीजन को सामने रखते हुए कार्रवाई को और सख्त कर दिया गया है। कोरबा जिले के शहरी के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में इस प्रकार के अभियान पर गंभीरता दिखाई जा रही है। कारण बताया जा रहा है कि विभिन्न क्षेत्रों से लगातार ऐसी शिकायतें आ रही है कि ट्रिपल राइडिंग के साथ कानों को मुश्किल देने वाली आवाज में बढ़ोतरी हो रही है और यह जन स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। हाल में ही पुलिस ने ऐसे अनेक मामलों में कार्रवाई की और दोषियों को सबक दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस को इसके लिए बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही थाना और चैकी स्तर पर भी प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी प्रभारी को कहा गया है कि सडक हादसों को रोकना उनकी प्राथमिकता होना चाहिए और ऐसी स्थिति में जो भी बाइक चालक लापरवाही का प्रदर्शन करता नजर आए उसे पर किसी भी तरह से ढिलाई नहीं करना है। इसके अलावा किसी भी स्तर से आने वाली एप्रोच को अवॉइड करना है। पुलिस की ओर से कहा गया कि त्यौहार का सीजन हमारे सामने है और ऐसे में परिस्थितियों को हर हाल में बेहतर बनाना है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में अराजकता के हालात उत्पन्न ना हो, इसलिए गुंडा बदमाशों की क्लास लगाने के साथ उन्हें आवश्यक नसीहत दे दी गई है। कहां गया है।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाईः अवैध शिकारियों पर शिकंजा, एक आरोपी गिरफ्तार, 12 फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार बलौदाबाजार वनमण्डल द्वारा अवैध शिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। सिमगा परिक्षेत्र अंतर्गत कचलोन बीट में प्राप्त सूचना के आधार पर की गई कार्यवाही में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 12 आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील के मार्गदर्शन में उपवनमण्डलाधिकारी निश्चल शुक्ला एवं परिक्षेत्र अधिकारी बसंत खांडेकर के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में आरोपी से जंगली सुवर का मांस, कत्तल, हंसिया, जंगली सुवर की अंतड़ी, जी.आई.

तार, विद्युत तार एवं खूंटियां बरामद की गईं। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि सभी आरोपी संगठित रूप से अवैध शिकार की गतिविधियों में संलिप्त थे।

गिरफ्तार आरोपी परमानंद निषाद (आयु 40 वर्ष, निवासी कचलोन) के विरुद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 एवं संशोधन अधिनियम 2022 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर अपराध क्रमांक 1966/13 दिनांक 25 अगस्त 2025 कायम किया गया है। शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने कहा है कि वन्यप्राणी हमारे पर्यावरण एवं पारिस्थितिकीय संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। अवैध शिकार जैसे वन्य अपराधों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आम नागरिकों एवं ग्रामीणों से अपील की है कि वे ऐसी गतिविधियों की सूचना तत्काल विभाग को दें एवं वन्यजीव संरक्षण के कार्य में सहयोग प्रदान करें।

इस कार्रवाई में प्रशिक्षु वनपरिक्षेत्र अधिकारी श्री अनिरुद्ध कश्यप, उपवनक्षेत्रपाल श्रीमती सरिता एक्का, वनरक्षक रजनीश वर्मा, मनबोधन टंडन, वनपाल संतराम कुंद्रे, वनरक्षक राकेश ध्रुव, गोविंद सिंह पटले, वन चौकीदार इमेश्वर शर्मा सहित विभागीय अमले एवं सुरक्षा कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मवेशियों से भरी पिकअप वाहन सहित एक तस्कर चढ़ा पुलिस के हत्थे

श्रीकंचनपथ न्यूज

छोटे कापसी/कांकेर। बांदे थाना क्षेत्र के अंतर्गत छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर मवेशी तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों की सतर्कता से पुलिस ने मवेशियों से भरी एक पिकअप वाहन को जब्त कर एक तस्कर को हिरासत में लिया है। यह घटना क्षेत्र में सक्रिय मवेशी तस्करी के नेटवर्क की ओर इशारा करती है।

ग्राम मरोड़ा के पास स्थानीय ग्रामीणों ने एक पिकअप वाहन (छ्त्र 04 एनएफ 2854) को रोका। वाहन में क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंसकर गायों को भरा गया था और उन्हें महाराष्ट्र बूचड़खाने ले जाया जा रहा था। जब ग्रामीणों ने वाहन में मौजूद लोगों से पूछताछ की, तो उनके पास पखांजूर नगर पंचायत की एक रसीद थी। हालांकि, ग्रामीणों को उन पर शक हुआ और उन्होंने वैन को रोककर रखा।

इसी दौरान, ग्रामीणों ने एक अन्य व्यक्ति को भी पकड़ा जो पैदल तीन गायों को महाराष्ट्र की तरफ ले जा रहा था। पूछताछ में उसने अपना नाम खोखन मंडल पीवी 74 गौरीशंकर नगर का बताया। खोखन मंडल ने ग्रामीणों को बताया कि वह इन गायों को सोहगाव, महाराष्ट्र में छोड़ने जा रहा था और कृष्ण गाईन (निवासी-पीवी 76) के लिए दिहाड़ी पर काम करता है।इस प्रकार हमेशा ले जाया करता हूँ,इसके बदले 500/-रोजी मिलता है

ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना बांदे पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पिकअप वाहन को उसमें भरी गायों के साथ जब्त कर लिया। इसके साथ ही, पुलिस ने पैदल जा रहे आरोपी खोखन को भी हिरासत में ले लिया है। पिकअप वाहन में मिली गायों को ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में आगे की पूछताछ जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस घटना से यह बात साफ हो गई है कि छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर मवेशियों की अवैध तस्करी का धंधा बड़े पैमाने पर चल रहा है। ग्रामीणों को संदेह है कि मवेशी को बूचड़खाने भेजेने का खेल नपं की फर्जी रसीद दिखा कर चोरी छुपे किया जाता है। ग्रामीणों की मांग है इसकी जांच होनी चाहिए।

इस संबंध पर थाना प्रभारी मनीष नेताम बांदे ने पीवी 76 कृष्णानगर के ग्रामीण इसकी सूचना दिए, अभी जांच चल रहा है इस प्रकार की अवैध तस्करी में लिफ्त पाए जाने पर दोषी के ऊपर कारवाई की जाएगी।

किराना दुकान में चोरी करने वाले चोर पकड़ाये

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग की थाना उतई पुलिस ने एक किराना दुकान में चोरी करने वाले चोरों को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से चोरी का सामान एवं नगद रकम बरामद किया है।

दुर्ग पुलिस व्दारा रात्रि में दुकान का शटर तोड़कर सामान एवं नगद रकम को चोरी करने वाले आरोपियों पर अंकुश लगाकर चोरी/सेंधमारी के खिलाफमुहिम में ऑपरेशन विश्वास अभियान के तहत थाना उतई पुलिस द्वारा किराना दुकान से सामान एवं नगद रकम को चोरी करने वाले के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किया गया। दिनांक 23/08/2025 को प्रार्थना श्रीमती ममता चंदेल पति मनोज कुमार चंदेल पता डूमरडीह उतई की थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि उनके द्वारा बस स्टैंड दमदी में मनोज किराना स्टोर के नाम पर दुकान का संचालन किया जाता है दिनांक 20,-21/08/2025 के दरमियानी रात में किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा दुकान शटर का ताला तोड़कर दुकान के अंदर रखे सामान एवं नगद रकम को चोरी कर ले गया है रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण में चोरी गए सामान, नगद रकम एवं अज्ञात आरोपी की पता तलाश लगातार उतई पुलिस द्वारा किया जा रहा था।

मुंगेली पुलिस ने चलाया सायबर जागरुकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के दिशा निर्देशन में पहल अभियान मुंगेली पुलिस द्वारा सायबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत मुंगेली के 11 विद्यालय के 5000 विद्यार्थी एवं स्कूल के शिक्षक द्वारा हाथ में मेंहदी सायबर जागरूकता एवं मानव श्रृंखला बनाकर दिनांक 25/08/2025 को पहल जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वामी आत्मानन्द स्कूल दाऊ पारा मुंगेली, नवोदय विद्यालय दाबो,जेसीस स्कूल, रैंबो स्कूल, सेन जेवियर्स स्कूल, अल्फा पब्लिक स्कूल, कस्तूरबा स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर, शासकीय कन्या विद्यालय, अम्बेडकर स्कूल,सोनकर स्कूल मुंगेली के विद्यार्थी रहे शामिल।

पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल अभियान

पहल कार्यक्रम माध्यम से विद्यार्थियो को स्वयं के जीवन की महत्पूर्ण बातों को एवं उज्जवल भविष्य कि ओर ले जाने दिया जा रहा बच्चों को उनके उत्तम शिक्षा व आत्मविश्वास को मजबूत करने हेतु किया जा रहा प्रेरित

इस कार्यक्रम में कुल 11 स्कूल के 5000 विद्यार्थियों द्वारा साइबर अपराध, यातायात के नियम व उसके पालन, नशामुक्ति एवं बच्चों व महिलाओं से संबंधित अपराधों के संबंध में ड्रॉइंग पेंटिंग, अपने हाथों में मेहंदी से लिखा सपहल स एवं मानव श्रृंखला बनाया गया ।

बदलाव की शुरुआत सुरक्षा के साथ एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक संदेश है। यह न केवल व्यक्तिगत जीवन में बल्कि सामाजिक और सामुदायिक स्तर पर भी लागू होता है। सुरक्षा के साथ बदलाव की शुरुआत करने से हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे प्रयास स्थिर, सुरक्षित और दीर्घकालिक होंगे।

यह वाक्यांश कई मायनों में महत्वपूर्ण हो सकता है: 1. सामाजिक बदलाव: जब हम सामाजिक बदलाव की बात करते हैं, तो सुरक्षा के साथ शुरुआत करना महत्वपूर्ण है। इससे हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे प्रयासों से किसी को नुकसान न पहुंचे और सभी के लिए सकारात्मक परिणाम हों।

2. व्यक्तिगत विकास: व्यक्तिगत स्तर पर, सुरक्षा के साथ बदलाव की शुरुआत करने से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक स्थिर और सुरक्षित मार्ग पर चल सकते हैं।

3. सामुदायिक विकास: सामुदायिक स्तर पर, सुरक्षा के साथ बदलाव की शुरुआत करने से हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे प्रयासों से समुदाय के सभी सदस्यों को लाभ पहुंचे और उनकी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित हो।

कुल मिलाकर, बदलाव की शुरुआत सुरक्षा के साथ एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है जो हमें अपने प्रयासों में स्थिरता, सुरक्षा और सकारात्मकता लाने में मदद कर सकता है।

ये तैयारी है वंश वृक्ष के पहल की,कल की चिंता नही कल की उत्सुकता होनी चाहिये आओ खुशहाल कल की पहल करे,जैसे पेड़ लोगो को छाँया देरी है ठीक वैसे ही हमारे भविष्य है ये कल इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी कर्मचारी शत्रुहन खूंटे, बबीता श्रीवास एवं पुलिस बाल मित्र रोशना डेविड (उड़ान जी एस सोसायटी महासमुंद) एवं सभी 11 स्कूल प्राचार्य और शिक्षको की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

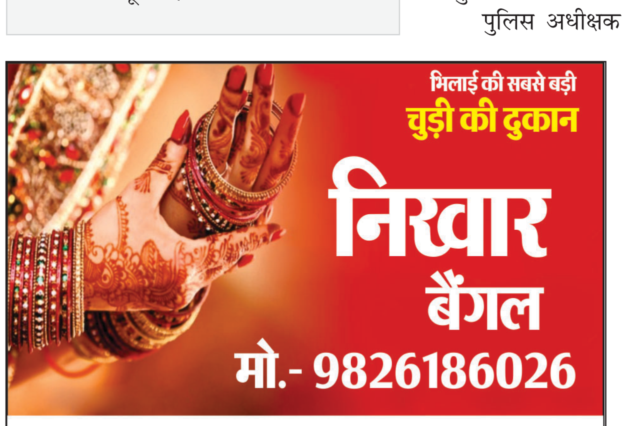

विघ्नहर्ता की आराधना के साथ आस्था, संस्कृति, साहित्य और कला के अद्भुत संगम की 10 दिवसीय यात्रा का शानदार आगाज

अतीत की स्वर्णिम स्मृतियों से जोड़ने और हमारे अमूल्य विरासत को संजोने का महान संकल्प है चक्रधर समारोहः राज्यपाल

- राज्यपाल ने 40वें चक्रधर समारोह का किया भव्य शुभारंभ
- शास्त्रीय संगीत के गायन वादन से लेकर स्थानीय लोक कलाकारों को मिलेगा मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। चक्रधर समारोह हमें अतीत की स्वर्णिम स्मृतियों से जोड़ता है और हमारे अमूल्य विरासत को संजोने का महान संकल्प है। राजा चक्रधर सिंह ने कला और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का जो सपना रायगढ़ की धरती से देखा था, यह उत्सव उस स्वप्न का प्रतीक है। राज्यपाल रमेन डेका रायगढ़ जिले में आयोजित 40वें चक्रधर समारोह का भव्य शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भगवान गणपति की पूजा अर्चना की और संगीत सम्राट राजा चक्रधर सिंह का पुण्य स्मरण कर उन्हें नमन किया।

राज्यपाल डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ के 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा को हम रजत जयंती के रूप में मना रहे हैं और इस दौरान छत्तीसगढ़ की संस्कृति को समृद्ध बनाने में चक्रधर समारोह का योगदान अग्रणी है। श्री डेका ने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ में बहुत गहरा संबंध है और ब्रिटिश काल में इस प्रदेश से लोग असम गए थे। उन्होंने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव ने साहित्य और कला के संरक्षण के जो प्रयास असम में किए थे, वही प्रयास महाराज चक्रधर ने रायगढ़ की धरती से किया। श्री डेका ने बताया कि असम में राजा चक्रधर सिंह की स्मृति में पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि रायगढ़ की धरती भारतीय शास्त्रीय कला और संस्कृति की अनमोल धरोहर है। रायगढ़ घराने की छाप न केवल देश में बल्कि विश्वभर में है। राजा चक्रधर सिंह ने कथक नृत्य को नई ऊंचाइयां दीं और अपनी रचनाओं नर्तन सर्वस्व, तालतोय निधि और राग रत्न मंजूषा के माध्यम से संगीत और नृत्य को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि कला हमारे भीतर संवेदनाओं को जगाती है और जीवन को सुंदर बनाती है। आधुनिकता की दौड़ में जब लोग संस्कृति से दूर हो रहे हैं, तब ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं। राज्यपाल ने कहा कि रायगढ़ का नाम लेते ही हमारे मन में संगीत की मिठास, नृत्य की लय और कला के रंग दिखाई देते हैं। यही वो धरती है, जहां बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई, हरिप्रसाद चौरसिया की बाँसुरी और पं. जसराज सहित साहित्य जगत के महान विभूतियों के सुर गूंजते रहे हैं। उन्होंने इस खास मौके पर रायगढ़ की जनता को इस महान परंपरा को सहेजने और आगे बढ़ाने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

40वें चक्रधर समारोह के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता में एकता है। उन्होंने कहा कि आदिकाल से ही संगीत, नृत्य और साहित्य जैसी विधाएँ राजाओं के आश्रय में पल्लवित होती आई हैं और इन्हीं परंपराओं ने भारत को नई ऊँचाइयाँ दी हैं।

राजा चक्रधर सिंह को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि जब कथक में केवल जयपुर और बनारस घराने ही प्रसिद्ध थे, उस समय रायगढ़ घराने की स्थापना कर उन्होंने भारतीय संस्कृति को समृद्ध किया। श्री शेखावत ने कहा कि आज यह समारोह उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण करने का गौरवशाली अवसर है। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सक्षम और सशक्त नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को नक्सल छवि से मुक्ति मिल रही है और प्रदेश अब संस्कृति तथा पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद से जूझते हुए जिस प्रदेश को कभी पिछड़ेपन की दृष्टि से देखा जाता था, वही आज अपनी लोककलाओं और पर्यटन स्थलों के कारण विश्व स्तर पर पहचान बना रहा है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। हमारी लोककलाएँ, लोकनृत्य और लोकपरंपराएँ पुनः संरक्षित और सशक्त हो रही हैं। शेखावत ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी दस दिनों तक रायगढ़ सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहेगा और देश-विदेश से आए कलाकार अपनी कला के माध्यम से इस ऐतिहासिक आयोजन को और भव्य बनाएँगे।

वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि चक्रधर समारोह को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही रायगढ़ में लगातार विकास कार्यों को गति मिल रही है, जिससे यहां की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान और अधिक मजबूत हो रही है। श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आस्था के प्रमुख केंद्रों, पर्यटन स्थलों को लगातार विकसित करने का काम केंद्र सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री के सहयोग से भोरमदेव मंदिर सहित अनेक विकास कार्यों के लिए विशेष रूप से राशि आवंटित की गई है। राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली से आए अतिथियों ने चक्रधर समारोह को गरिमामयी बनाया है। श्री सिंह ने कहा कि संगीत सम्राट राजा चक्रधर सिंह ने कथक नृत्य को नई पहचान दी।

उन्होंने विधिवत प्रशिक्षण से रायगढ़ घराने को प्रतिष्ठा दिलाई और इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित किया। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि एक गोंड आदिवासी राजा द्वारा कथक नृत्य को इस ऊँचाई तक पहुँचाना इतिहास के स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव याद किया जाएगा। रायगढ़ सांसद ।धेश्याम राठिया ने कहा कि इस भव्य आयोजन से रायगढ़ की प्रतिष्ठा और अधिक बढ़ रही है तथा यहाँ की सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान मिल रही है।

चक्रधर समारोह के अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तोखन साहू, कृषि मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल, लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा की सांसद कमलेश जांगड़े, महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, नगर निगम के महापौर जीववर्धन चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित रहे।

उद्योग मंत्री देवांगन के विशेष प्रयास से कोरबा में एल्युमिनियम पार्क का मार्ग प्रशस्त, ज़मीन हस्तांतरित हेतु जनरेशन कंपनी की बोर्ड से मिली हरी झंडी

कोरबा ताप विद्युत गृह की 105 हेक्टेयर ज़मीन उद्योग विभाग को जल्द होगी हस्तांतरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा को व्यावसायिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के दिशा में नगर विधायक कोरबा वाणिज्य, उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम और आबकारी, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के प्रयासों से बहुप्रतीक्षित एल्युमिनियम पार्क का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उत्पादन कंपनी के बोर्ड की हुई बैठक में पूर्व सयंत्र के ज़मीन हस्तांतरित हेतु हरी झंडी मिल गई है।

कोहड़िया स्थित कोरबा ताप विद्युत गृह की 105 हेक्टेयर ज़मीन उद्योग विभाग को अब जल्द हस्तांतरित की जाएगी। इसके लिए बोर्ड ने प्रबंध निदेशक को अधिकृत किया है। साथ ही जिला प्रशासन, नजुल, राजस्व विभाग को ज़मीन का सत्यापन एवं सीमांकन कर उद्योग विभाग को हस्ताँतरित करने के लिए ऊर्जा विभाग द्वारा नजूल अधिकारी को पत्र जारी किया गया है।

कोरबा ज़िले में एल्यूमिनियम पार्क निर्माण हेतु उद्योग मंत्री के प्रस्ताव पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये उद्योग विभाग के बजट प्रस्ताव में 5 करोड़ रुपए का घोषणा की गई थी। इसके बाद उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने ही उत्पादन कम्पनी के बंद पड़ी प्लांट की ज़मीन में एल्यूमिनियम पार्क हेतु प्रस्ताव ऊर्जा विभाग और उद्योग विभाग को दिया था।

कोरबा के विधायक और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के सशक्त प्रयास का लाभ कोरबा जिले को मिलने जा रहा है। जिला चेम्बर ऑफ कॉमर्स, उद्योग संघ द्वारा वर्षों से मांग की जा रही थी। अब एल्यूमिनियम पार्क बनने से जहा एल्यूमिनियम सेक्टर के छोटे बड़े उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

एल्यूमिनियम की खपत विद्युत संयंत्रों के साथ दूसरे क्षेत्रों में भी बढ़ रही है। आफिस, बिल्डिंग के निर्माण में भी उपयोग हो रहा है। कांच के दरवाजे व खिड़कियों के लिए एल्यूमिनियम का ही उपयोग होता है। रेलवे भी एल्यूमिनियम फैब्रिकेशन व इंजीनियरिंग पार्ट से जुड़े उत्पादों का इस्तेमाल करता है। पैकेजिंग, इलेक्ट्रिकल सामान, वाहनों की बॉडी स्ट्रक्चर, व्हील्स, प्लेन व प्रिंटेड फाइल्स, फर्मा व बर्तन प्रोडक्ट तैयार करने में एल्यूमिनियम का उपयोग किया जाता है। इन सेक्टर के उद्योग अधिक संख्या में लग सकेंगे।

बालको के स्मेल्टर प्लांट में एल्यूमिना तैयार होता है। एल्यूमिनियम पार्क के बन जाने से एल्यूमिनियम से तैयार होने वाले उत्पाद कोरबा में ही बन सकेंगे। एक ही जगह पर कई प्रकार के उत्पाद बनाए जा सकेंगे। इसके लिए स्थानीय और बाहरी उद्योगपति कोरबा में संयंत्र लगाने के लिए रुचि लेंगे।

छत्तीसगढ़ से रामलला दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की विशेष ट्रेन रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की 'रामलला दर्शन योजना' के अंतर्गत आज अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से श्रद्धालुओं को लेकर विशेष ट्रेन अयोध्या के लिए रवाना हुई। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया और सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि यह योजना आम नागरिकों को धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जिससे आस्था और संस्कृति दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, सीतापुर विधायक प्रबोध मिंज, लुंड्रा विधायक श्रीमती उद्देश्वरी पैकरा, अंबिकापुर की महापौर मंजुर्षा भगत और भारत

सिसोदिया सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक था। 'जय श्रीराम' के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि 'रामलला दर्शन योजना' के तहत श्रद्धालुओं को निःशुल्क ट्रेन यात्रा, भोजन और ठहरने की सुविधा प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का दर्शन करना हर श्रद्धालु के लिए सौभाग्य का अवसर है। आने वाले समय में राज्य सरकार अन्य धार्मिक स्थलों के लिए भी इसी प्रकार की यात्राओं का आयोजन करेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। रेलवे स्टेशन पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी पूरी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए मौजूद रहे।

जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री साय ने बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत कार्यों की गति तेज करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जिलों बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बस्तर में राहत और बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रभावित परिवार को असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी सक्रियता से कार्य करे ।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि राहत शिविरों में ठहरे सभी लोगों को भोजन, चिकित्सा सुविधा और आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने प्रशासन को बाढ़ से प्रभावित गाँवों तक तुरंत सहायता पहुँचाने और आपदा नियंत्रण कक्षों से स्थिति की निगरानी करने के आदेश दिए।

उल्लेखनीय है कि लगातार हो रही बारिश से प्रदेश के चार जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, 26 और 27 अगस्त को सबसे अधिक वर्षा दंतेवाड़ा जिले में दर्ज की गई, जहाँ क्रमशः 93.7 मिमी और 118.4 मिमी बारिश हुई। सुकमा में 35 से

109.3 मिमी, बीजापुर में 34.9 से 50.2 मिमी तथा बस्तर में 67.3 से 121.3 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई जिससे 25 गाँव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

राजस्व सचिव एवं आपदा राहत आयुक्त श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने जानकारी दी कि प्रभावित लोगों के लिए 4 जिलों में कुल 43 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जिनमें दंतेवाड़ा जिले से 1,116, सुकमा से 790, बीजापुर से 120 और बस्तर से 170 , इस प्रकार कुल 2,196 प्रभावितों को राहत शिविर में ठहराया गया है। बाढ़ से अब तक 5 जनहानि, 17 पशुधन हानि, 165 मकानों को आंशिक और 86 मकानों को पूर्ण क्षति की सूचना मिली है। सभी जिलों में नगर सेना एवं एस.डी.आर.आफके द्वारा राहत बचाव कार्य किया जा रहा है एवं राहत शिविर में ठहराये गये लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग जिलों से बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सतत संपर्क बनाये हुए है एवं आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जिला सुकमा में आपदा मित्रों के द्वारा बाढ़ की स्थिति से निपटने हेतु जिला प्रशासन का सहयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनहानि और नुकसान पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को त्वरित सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी और पुनर्वास कार्य प्राथमिकता पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन और राहत दल लगातार सक्रिय रहें, हर जरूरतमंद तक तुरंत मदद पहुँचे और राहत सामग्री समय पर मिले।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आम नागरिकों से अपील की कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी आवश्यकता की स्थिति में तुरंत स्थानीय नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास जताया कि प्रशासन और जनता के सामूहिक सहयोग से हम इस आपदा पर शीघ्र काबू पाएंगे और प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य जीवन जल्द बहाल होगा।

अतिवर्षा प्रभावित ईलाकों का प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने लिया जायजा

रायपुर। दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय में विगत रात्रि में भारी वर्षा से हुए क्षति का आंकलन हेतु जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप एवं विधायक चैतराम अटामी द्वारा मुख्यालय के वर्षा प्रभावित क्षेत्र सुरभि कालोनी, जीएडी कालोनी तथा नये रेस्ट हाऊस सहित अन्य मोहल्लों का जायजा लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये।

इस दौरान कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिला प्रशासन द्वारा राहत के उपायों तथा प्रभावित लोगों के पुनर्वास हेतु किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में अतिवृष्टि से हुई क्षति के आकलन के लिये तहसीलदारों एवं पटवारियों के द्वारा सर्वे कार्य किया जा रहा है। साथ ही जिले में 27 राहत शिविर बनाये गयें हैं। जहां जिले की आपदा राहत टीम अलर्ट मोड पर तैनात है। आश्रय स्थलों में लोगों के लिये भोजन, पेयजल, कपड़े, बिस्तर, इत्यादि की भी पर्याप्त व्यवस्था कर दी गयी है।

प्रशासन की प्राथमिकता सर्वप्रथम लोगों को प्राथमिक

राहत पहुंचाना है। तत्पश्चात उनके क्षति के आंकलन कर शीघ्र-अतिशीघ्र मुआवजा देने की कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950